# ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

## जन्मपत्रिका

**Sample**
**10/10/1990  10:10 AM**
**Mumbai, IN**

निर्मित

teleASTRO
आपका PRIVATE ज्योतिषी™

# सामान्य कुंडली विवरण

## सामान्य विवरण

| | |
|---|---|
| जन्म दिनांक | 10/10/1990 |
| जन्म समय | 10:10 |
| जन्म स्थान | Mumbai, IN |
| अक्षांश | 19 N 04 |
| देशांतर | 72 E 52 |
| समय क्षेत्र | +05:30 |
| अयनांश | 23:43:41 |
| सूर्योदय | 6:31:4 |
| सूर्यास्त | 18:19:51 |

## घात चक्र

| | |
|---|---|
| महीना | अश्विन |
| तिथि | 1,6,11 |
| दिन | शुक्रवार |
| नक्षत्र | रेवती |
| योग | व्यतिपात |
| करण | गर |
| प्रहर | 1 |
| चंद्र | 9 |

## पंचांग विवरण

| | |
|---|---|
| तिथि | कृष्ण सप्तमी |
| योग | परिघ |
| नक्षत्र | आर्द्रा |
| करण | विष्टि |

## ज्योतिषीय विवरण

| | |
|---|---|
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| योनि | स्वान |
| गण | मनुष्य |
| नाड़ी | आदि |
| जन्म राशि | मिथुन |
| राशि स्वामी | बुध |
| नक्षत्र | आर्द्रा |
| नक्षत्र स्वामी | राहु |
| चरण | 2 |
| युञ्जा | मध्य |
| तत्त्व | वायु |
| नामाक्षर | घ |
| पाया | चांदी |
| लग्न | वृश्चिक |
| लग्न स्वामी | मंगल |



www.teleAstro.in

# ग्रह स्थिति

| ग्रह | वक्री | जन्म राशि | अंश | राशि स्वामी | नक्षत्र | नक्षत्र स्वामी | भाव |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | -- | कन्या | 22:53:27 | बुध | हस्त | चन्द्र | ग्यारहवाँ |
| चन्द्र | -- | मिथुन | 10:30:26 | बुध | आर्द्रा | राहु | आठवाँ |
| मंगल | -- | वृष | 20:01:53 | शुक्र | रोहिणी | चन्द्र | सातवाँ |
| बुध | -- | कन्या | 14:04:53 | बुध | हस्त | चन्द्र | ग्यारहवाँ |
| गुरु | -- | कर्क | 15:57:34 | चन्द्र | पुष्य | शनि | नौवां |
| शुक्र | -- | कन्या | 17:06:30 | बुध | हस्त | चन्द्र | ग्यारहवाँ |
| शनि | -- | धनु | 25:12:38 | गुरु | पूर्व षाढ़ा | शुक्र | दूसरा |
| राहु | हाँ | मकर | 09:47:12 | शनि | उत्तर षाढ़ा | सूर्य | तिसरा |
| केतु | हाँ | कर्क | 09:47:12 | चन्द्र | पुष्य | शनि | नौवां |
| लग्न | -- | वृश्चिक | 11:52:17 | मंगल | अनुराधा | शनि | पहला |

**सूर्य**
कन्या
हस्त
लाभप्रद

**चन्द्र**
मिथुन
आर्द्रा
योगकारक

**मंगल**
वृष
रोहिणी
सम

**बुध**
कन्या
हस्त
हानिप्रद

**गुरु**
कर्क
पुष्य
लाभप्रद

**शुक्र**
कन्या
हस्त
हानिप्रद

**शनि**
धनु
पूर्व षाढ़ा
सम

**राहु**
मकर
उत्तर षाढ़ा
--

**केतु**
कर्क
पुष्य
--


www.teleAstro.in

# जन्म कुंडली

## लग्न कुंडली

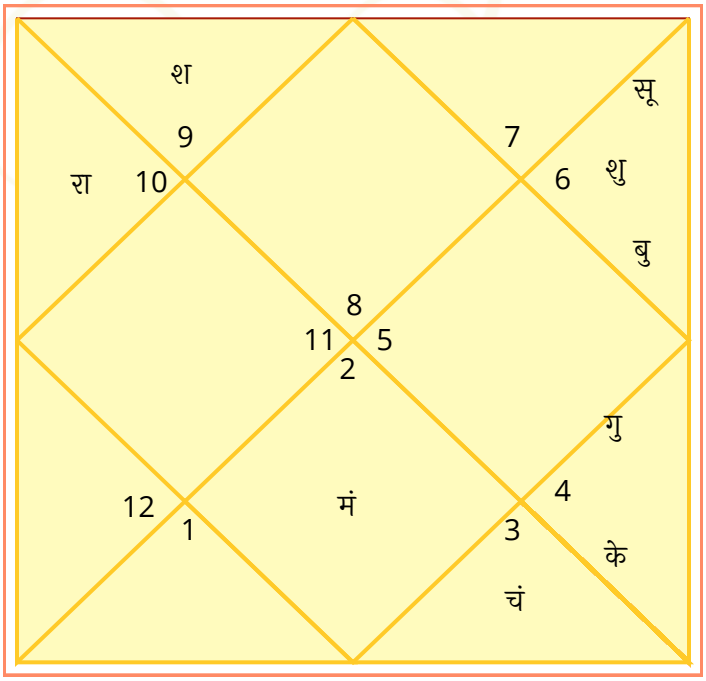


व्यक्ति के जन्म के समय आकाश में पूर्वी क्षितिज जो राशि उदित होती है, उसे ही उसके लग्न की संज्ञा दी जाती है। जन्म कुण्डली में 12 भाव होते है। इन 12 भावों में से प्रथम भाव को लग्न कहा जाता है। कुण्डली में अन्य सभी भावों की तुलना में लग्न को सबसे अधिक महत्व पूर्ण माना जाता है। लग्न भाव बालक के स्वभाव, रुचि, विशेषताओ और चरित्र के गुणों को प्रकट करता है।

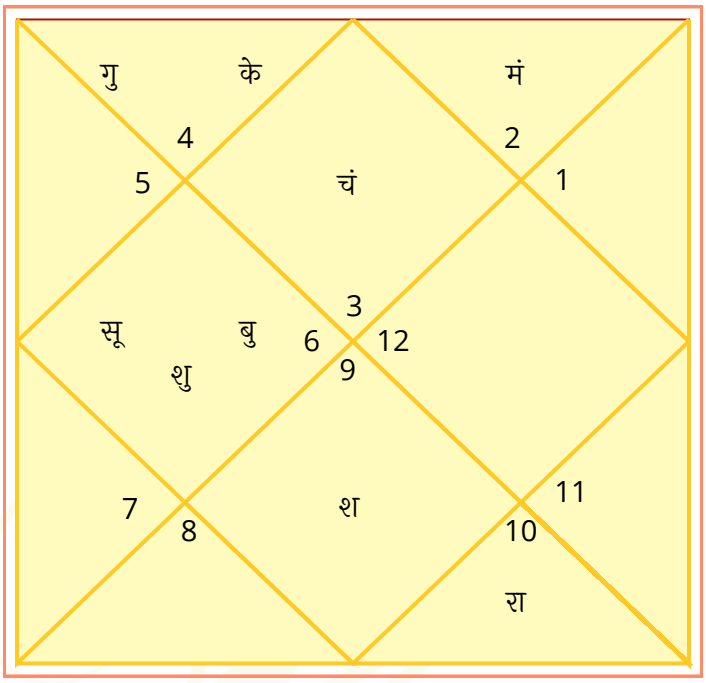


## चंद्र कुंडली

लग्न कुंडली के बाद जिस राशि में चंद्रमा होता है उसे लग्न मानकर एक और कुंडली का निर्माण होता है जो चन्द्र कुंडली कहलाती है। चंद्र कुंडली का भी फलित ज्योतिष में लग्न कुंडली जितना ही महत्त्व है। लग्न शरीर, तो चंद्र मन का कारक है और वे एक दूसरे के पूरक हैं।

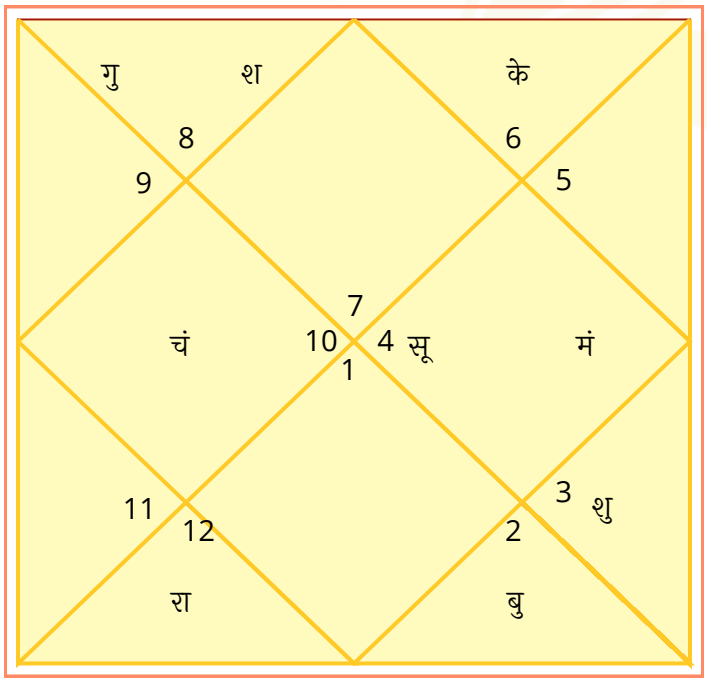


## नवमांश कुंडली

नवांश कुण्डली को नौ भागों में बांटा जाता है, जिसके आधार पर जन्म कुण्डली का विवेचन होता है। नवांश कुण्डली में यदि ग्रह अच्छी स्थिति या उच्च के हों तो वर्गोत्तम की स्थित उत्पन्न होती है और व्यक्ति शारीरिक व आत्मिक रुप से स्वस्थ हो शुभ दायक स्थिति को पाता है।



www.teleAstro.in

# भाव सन्धि

**लग्न - 11:52:17  दशम भाव मध्य - 16:08:34**

| भाव | जन्म राशि | भाव मध्य | जन्म राशि | भाव संधि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | वृश्चिक | 11:52:17 | वृश्चिक | 27:35:00 |
| 2 | धनु | 13:17:43 | धनु | 29:00:25 |
| 3 | मकर | 14:43:08 | कुम्भ | 00:25:51 |
| 4 | कुम्भ | 16:08:34 | मीन | 00:25:51 |
| 5 | मीन | 14:43:08 | मीन | 29:00:25 |
| 6 | मेष | 13:17:43 | मेष | 27:35:00 |
| 7 | वृष | 11:52:17 | वृष | 27:35:00 |
| 8 | मिथुन | 13:17:43 | मिथुन | 29:00:25 |
| 9 | कर्क | 14:43:08 | सिंह | 00:25:51 |
| 10 | सिंह | 16:08:34 | कन्या | 00:25:51 |
| 11 | कन्या | 14:43:08 | कन्या | 29:00:25 |
| 12 | तुला | 13:17:43 | तुला | 27:35:00 |

## चलित कुंडली

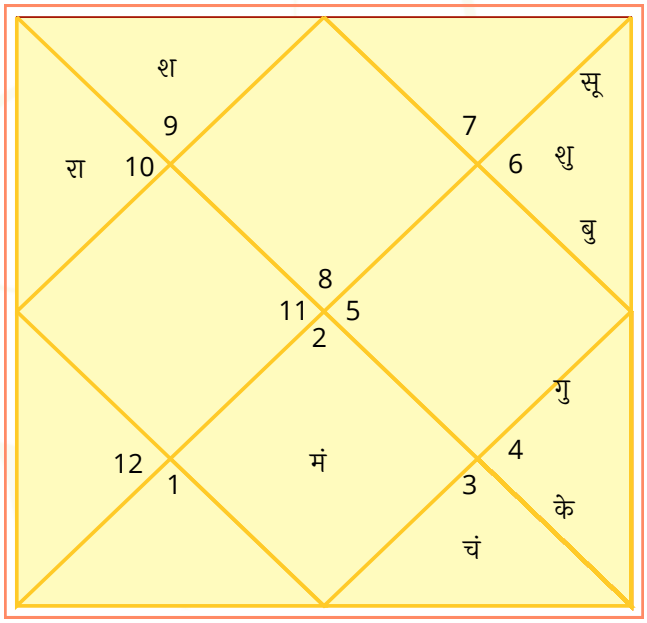


लग्न कुंडली का शोधन चलित कुंडली है, अंतर सिर्फ इतना है कि लग्न कुंडली यह दर्शाती है कि जन्म के समय क्या लग्न है और सभी ग्रह किस राशि में विचरण कर रहे हैं और चलित से यह स्पष्ट होता है कि जन्म समय किस भाव में कौन सी राशि का प्रभाव है और किस भाव पर कौन सा ग्रह प्रभाव डाल रहा है।


www.teleAstro.in

# वर्ग कुंडली

## सूर्य कुंडली

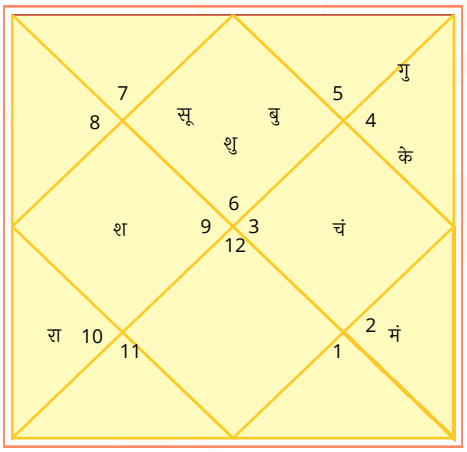


शरीर, स्वास्थ्य, रचना

## होरा कुंडली

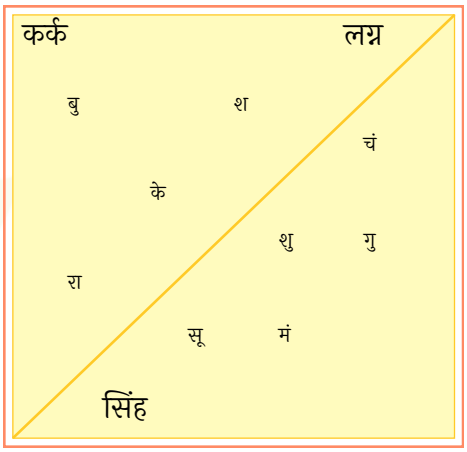


वित्त , धन -सम्पदा, समृद्धि

## द्रेष्काण कुंडली

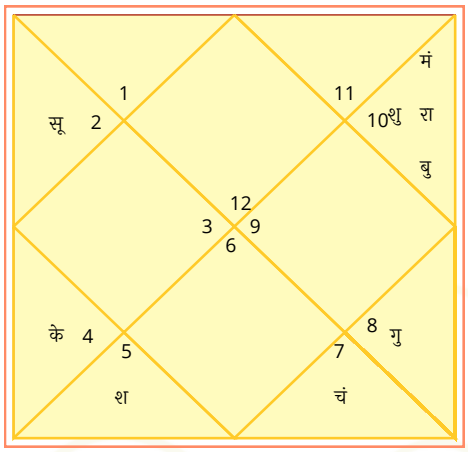


भाई बहन

## चतुर्थांश कुंडली

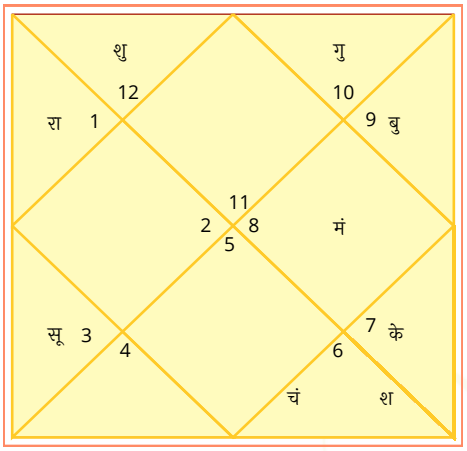


भाग्य

## पंचमांश कुंडली

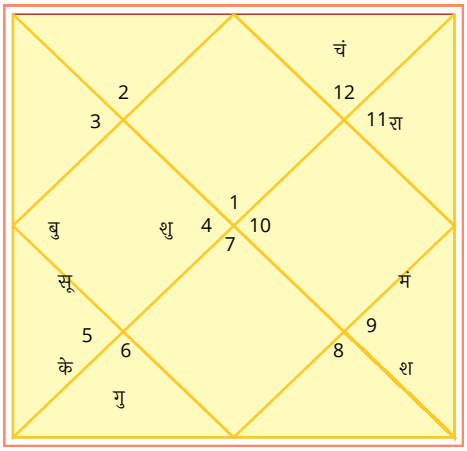


आध्यात्मिकता

## सप्तमांश कुंडली

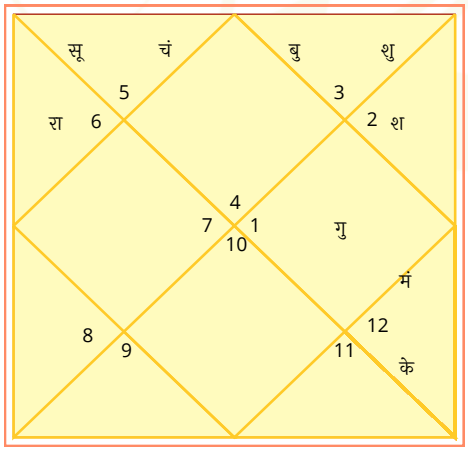


सन्तान

## अष्टमांश कुंडली

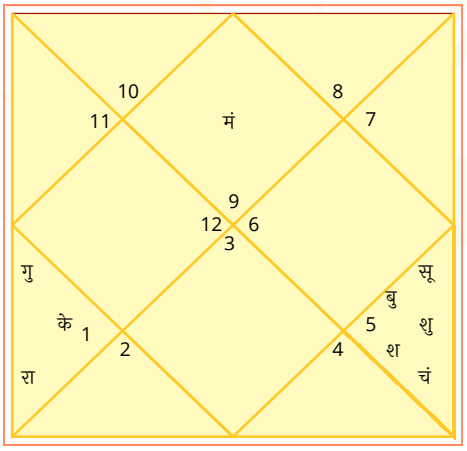


आयु

## दशमांश कुंडली

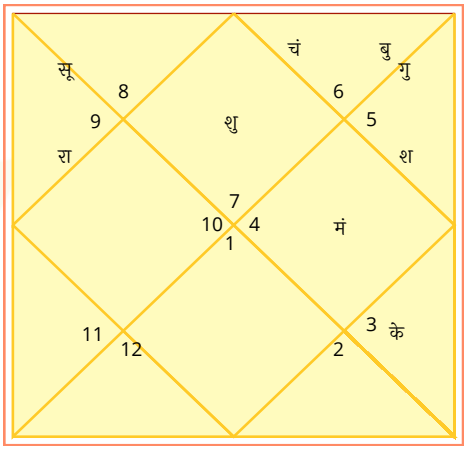


व्यवसाय, जीवनयापन

## द्वादशांश कुंडली

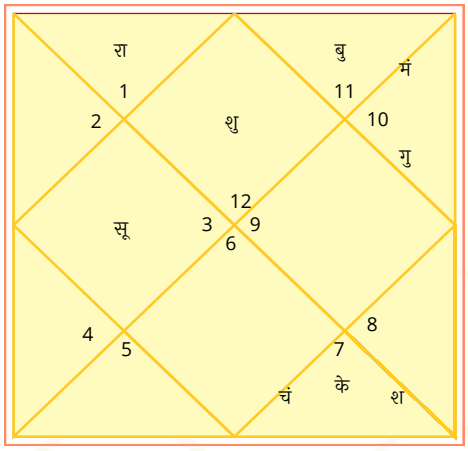


माता-पिता, पैतृक सुख



www.teleAstro.in

# वर्ग कुंडली

## षोडशांश कुंडली

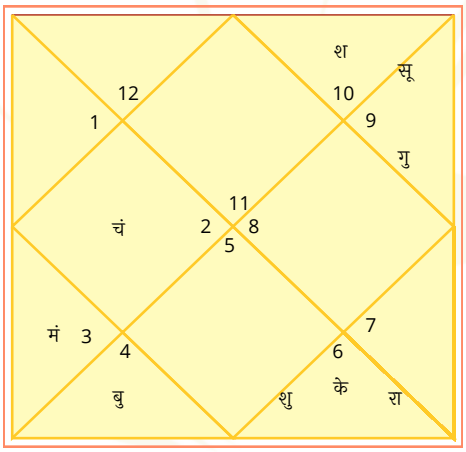


सुख, दुख, वाहन

## विशमांश कुंडली

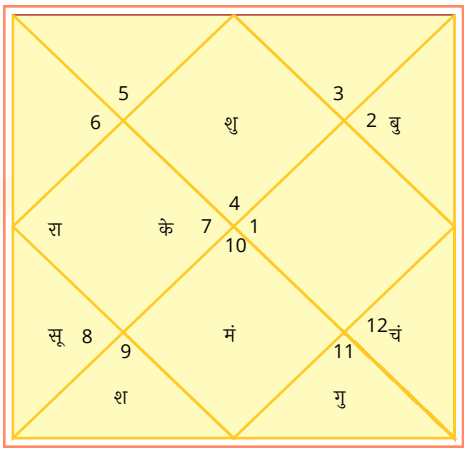


आध्यात्मिक प्रगति एवं पूजा पाठ

## चतुर्विंशांश कुंडली

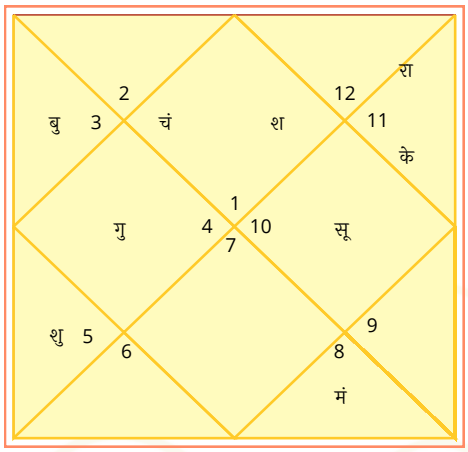


शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षा

## भांष कुंडली

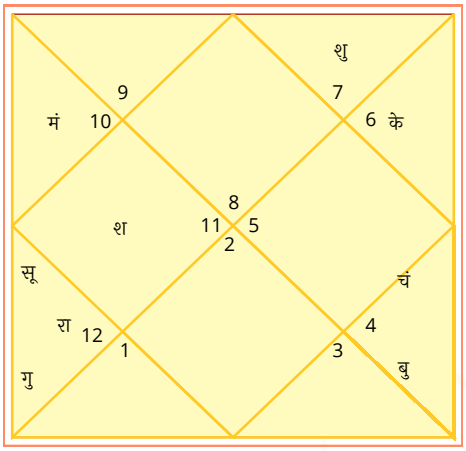


शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति

## त्रिषमांष कुंडली

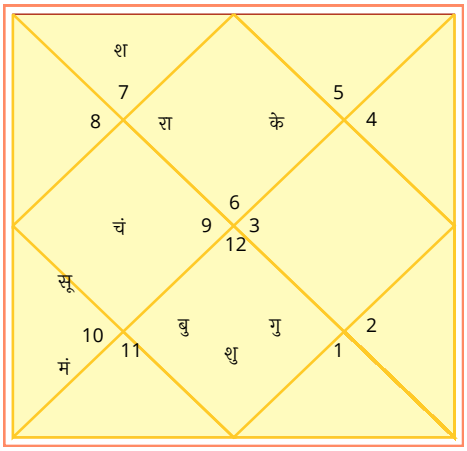


बुराई, विपत्तियां

## खवेदांश कुंडली

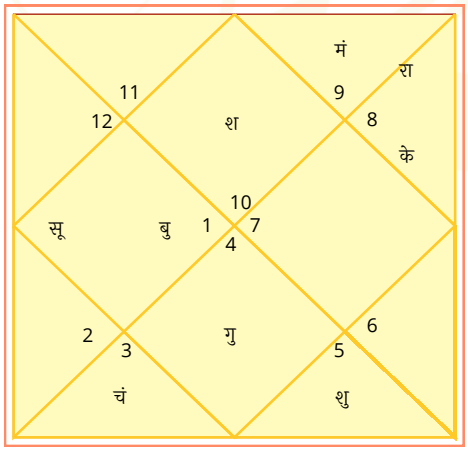


शुभ और अशुभ प्रभाव

## अक्षवेदांश कुंडली

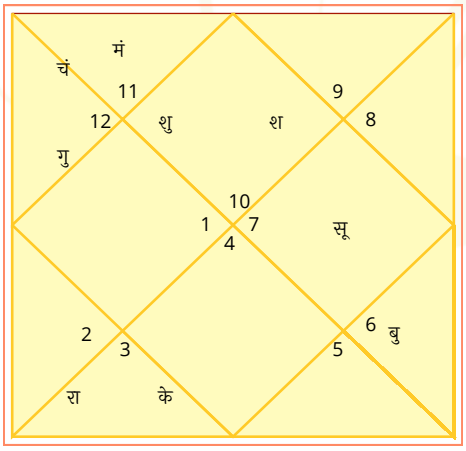


जातक का चरित्र और आचरण

## षष्टयांश कुंडली

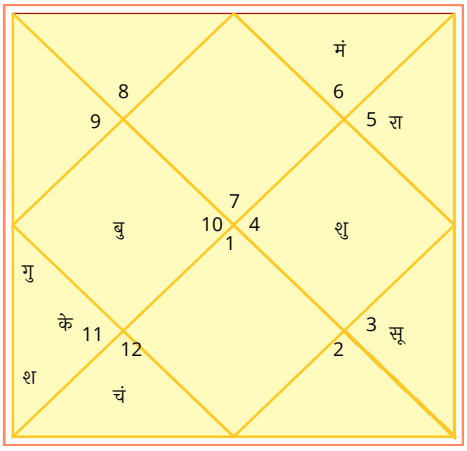


सामान्य खुशियाँ



www.teleAstro.in

# पंचधा मैत्री चक्र

## नैसर्गिक मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | -- | मित्र | मित्र | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु |
| चंद्र | मित्र | -- | सम | मित्र | सम | सम | सम |
| मंगल | मित्र | मित्र | -- | शत्रु | मित्र | सम | सम |
| बुध | मित्र | शत्रु | सम | -- | सम | मित्र | सम |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | -- | शत्रु | सम |
| शुक्र | शत्रु | शत्रु | सम | मित्र | सम | -- | मित्र |
| शनि | शत्रु | शत्रु | शत्रु | मित्र | सम | मित्र | -- |

## तात्कालिक मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | -- | मित्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र |
| चंद्र | मित्र | -- | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु |
| मंगल | शत्रु | मित्र | -- | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु |
| बुध | शत्रु | मित्र | शत्रु | -- | मित्र | शत्रु | मित्र |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | -- | मित्र | शत्रु |
| शुक्र | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | -- | मित्र |
| शनि | मित्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | -- |


www.teleAstro.in

## पंचधा मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **सूर्य** | -- | अतिमित्र | सम | शत्रु | अतिमित्र | अतिशत्रु | सम |
| **चंद्र** | अतिमित्र | -- | मित्र | अतिमित्र | मित्र | मित्र | शत्रु |
| **मंगल** | सम | अतिमित्र | -- | अतिशत्रु | अतिमित्र | शत्रु | शत्रु |
| **बुध** | सम | सम | शत्रु | -- | मित्र | सम | मित्र |
| **गुरु** | अतिमित्र | अतिमित्र | अतिमित्र | सम | -- | सम | शत्रु |
| **शुक्र** | अतिशत्रु | सम | शत्रु | सम | मित्र | -- | अतिमित्र |
| **शनि** | सम | अतिशत्रु | अतिशत्रु | अतिमित्र | शत्रु | अतिमित्र | -- |


www.teleAstro.in

# कृष्णमूर्ति पद्धति ग्रह स्थिति

| ग्रह | वक्री | जन्म राशि | अंश | राशि स्वामी | भाव |
|---|---|---|---|---|---|
| **सूर्य** | -- | कन्या | 172:53:27 | बुध | ग्यारहवाँ |
| **चन्द्र** | -- | मिथुन | 70:30:26 | बुध | आठवाँ |
| **मंगल** | -- | वृष | 50:01:53 | शुक्र | सातवाँ |
| **बुध** | -- | कन्या | 164:04:53 | बुध | ग्यारहवाँ |
| **गुरु** | -- | कर्क | 105:57:34 | चन्द्र | नौवां |
| **शुक्र** | -- | कन्या | 167:06:30 | बुध | ग्यारहवाँ |
| **शनि** | -- | धनु | 265:12:38 | गुरु | दूसरा |
| **राहु** | हाँ | मकर | 279:47:12 | शनि | तिसरा |
| **केतु** | हाँ | कर्क | 99:47:12 | चन्द्र | नौवां |
| **लग्न** | -- | वृश्चिक | 221:52:17 | मंगल | पहला |

| ग्रह | नक्षत्र | नक्षत्र स्वामी | चरण | सब | सब-सब |
|---|---|---|---|---|---|
| **सूर्य** | हस्त | चन्द्र | 4 | सूर्य | राहु |
| **चन्द्र** | आर्द्रा | राहु | 2 | शनि | शनि |
| **मंगल** | रोहिणी | चन्द्र | 4 | केतु | राहु |
| **बुध** | हस्त | चन्द्र | 2 | गुरु | गुरु |
| **गुरु** | पुष्य | शनि | 4 | गुरु | शुक्र |
| **शुक्र** | हस्त | चन्द्र | 3 | शनि | मंगल |
| **शनि** | पूर्व षाढ़ा | शुक्र | 4 | बुध | राहु |
| **राहु** | उत्तर षाढ़ा | सूर्य | 4 | शुक्र | बुध |
| **केतु** | पुष्य | शनि | 2 | शुक्र | शनि |
| **लग्न** | अनुराधा | शनि | 3 | चन्द्र | शुक्र |


www.teleAstro.in

# कृष्णमूर्ति पद्धति भाव संधि और कुंडली

| भाव | जन्म राशि | अंश | राशि स्वामी | नक्षत्र | नक्षत्र स्वामी | सब | सब-सब |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | धनु | 245:35:58 | गुरु | मूल | राहु | शनि | राहु |
| 2 | मकर | 275:13:37 | शनि | उत्तर षाढ़ा | सूर्य | बुध | बुध |
| 3 | कुम्भ | 306:47:45 | शनि | शतभिसा | राहु | राहु | राहु |
| 4 | मीन | 339:52:16 | गुरु | उत्तर भाद्रपद | शनि | शुक्र | शनि |
| 5 | मेष | 11:49:31 | मंगल | अश्विनी | केतु | बुध | शुक्र |
| 6 | वृष | 40:18:23 | शुक्र | रोहिणी | चन्द्र | चन्द्र | राहु |
| 7 | मिथुन | 65:35:58 | बुध | मृगशिरा | मंगल | चन्द्र | चन्द्र |
| 8 | कर्क | 95:13:37 | चन्द्र | पुष्य | शनि | शनि | गुरु |
| 9 | सिंह | 126:47:45 | सूर्य | मघा | केतु | राहु | केतु |
| 10 | कन्या | 159:52:16 | बुध | उत्तर फाल्गुनी | सूर्य | शुक्र | केतु |
| 11 | तुला | 191:49:31 | शुक्र | स्वाति | राहु | शनि | चन्द्र |
| 12 | वृश्चिक | 220:18:23 | मंगल | अनुराधा | शनि | शुक्र | केतु |

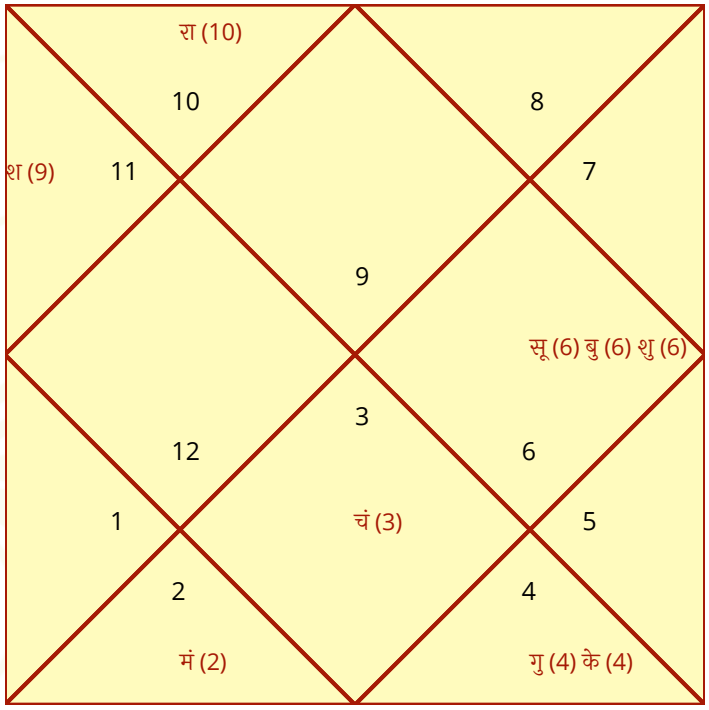



www.teleAstro.in

# सूर्य भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| वृषभ | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मिथुन | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| कर्क | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| सिंह | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 6 |
| कन्या | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 |
| तुला | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 |
| वृश्चिक | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| धनु | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| मकर | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 4 |
| कुंभ | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| मीन | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 6 |

## अभिप्राय

पिता

व्यक्तिगत प्रभाव

राजकीय कृपा

## सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

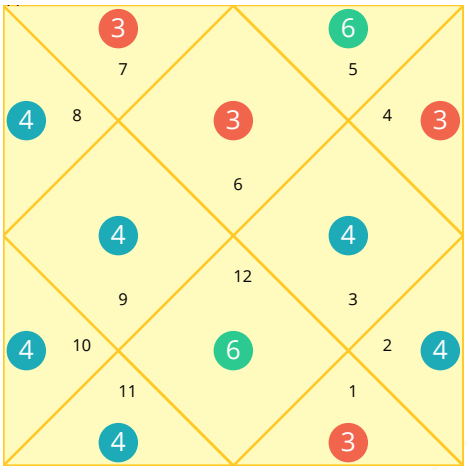




www.teleAstro.in

# चंद्र भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| वृषभ | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 3 |
| मिथुन | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| कर्क | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| सिंह | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 |
| कन्या | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| तुला | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| वृश्चिक | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| धनु | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 3 |
| मकर | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| कुंभ | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| मीन | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 5 |

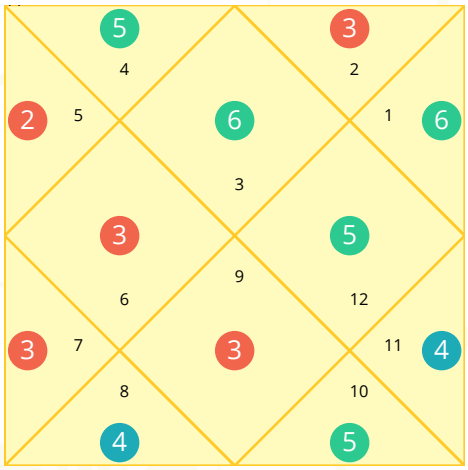


## अभिप्राय

माता | मन | भावना | बुद्धि

## सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित



www.teleAstro.in

# मंगल भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| वृषभ | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 |
| मिथुन | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| कर्क | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| सिंह | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 5 |
| कन्या | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 2 |
| तुला | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| वृश्चिक | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| धनु | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| मकर | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| कुंभ | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| मीन | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 |

## अभिप्राय

भाई-बहन | भूमि-संपत्ति | दुर्घटना | विवाद

## सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

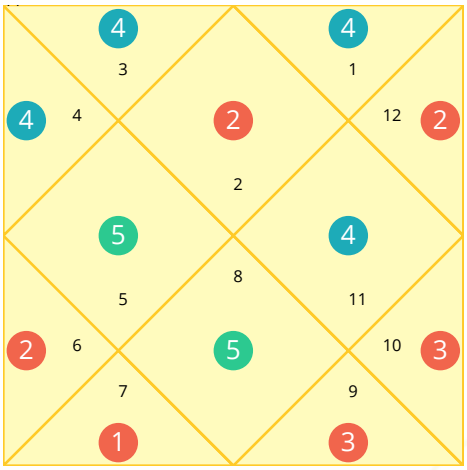




www.teleAstro.in

# बुध भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 3 |
| वृषभ | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| मिथुन | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| कर्क | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 5 |
| सिंह | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| कन्या | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 5 |
| तुला | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 2 |
| वृश्चिक | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| धनु | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 5 |
| मकर | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| कुंभ | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| मीन | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 |

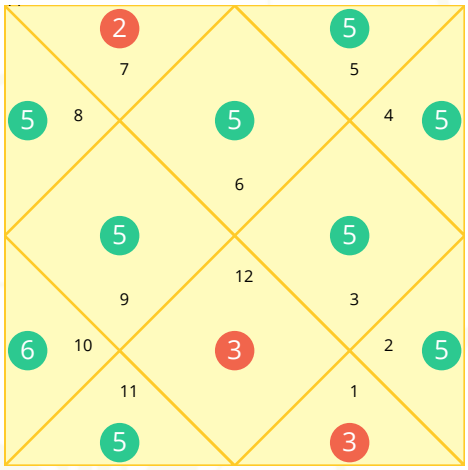


## अभिप्राय

रिश्तेदार | वक्तृता | विवेकबुद्धि | शिक्षा

## सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित



www.teleAstro.in

# गुरु भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| वृषभ | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| मिथुन | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| कर्क | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| सिंह | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| कन्या | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| तुला | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| वृश्चिक | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 4 |
| धनु | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| मकर | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 3 |
| कुंभ | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| मीन | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |

## अभिप्राय

संतान | सम्मान | धार्मिक कर्म | सीखना | भाग्य

## सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

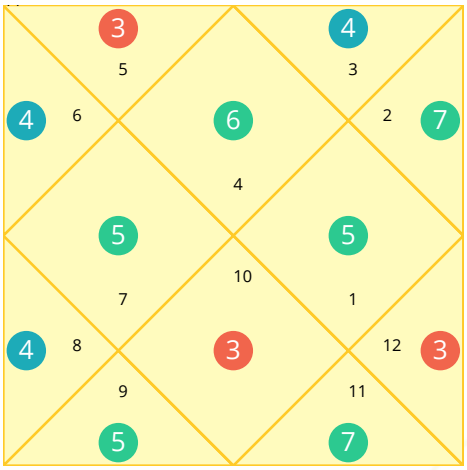




www.teleAstro.in

# शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| वृषभ | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| मिथुन | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 3 |
| कर्क | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| सिंह | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| कन्या | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 5 |
| तुला | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| वृश्चिक | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| धनु | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 2 |
| मकर | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| कुंभ | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| मीन | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 4 |

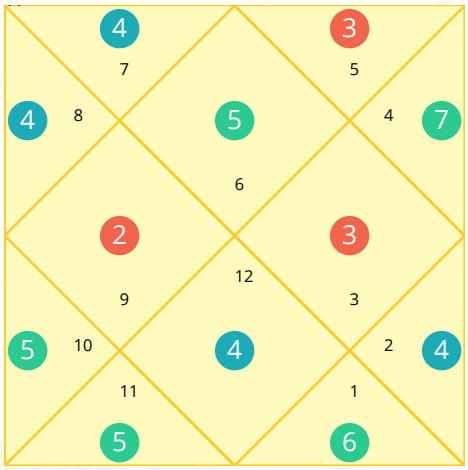


## अभिप्राय

पति या पत्नी | विवाह | वाहन | आभूषण

## सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित



www.teleAstro.in

# शनि भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| वृषभ | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| मिथुन | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| कर्क | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| सिंह | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| कन्या | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| तुला | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| वृश्चिक | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| धनु | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 |
| मकर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| कुंभ | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 5 |
| मीन | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 |

## अभिप्राय

कर्मचारी | जीविका | कष्ट व शोक

## सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

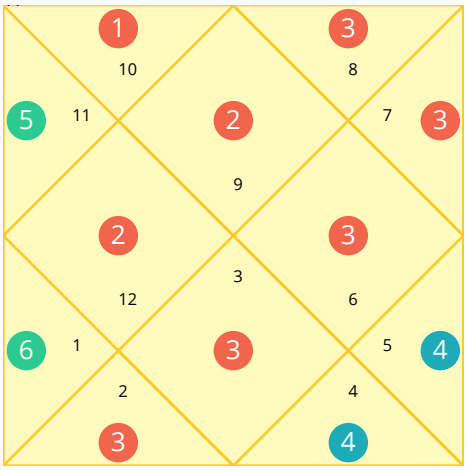




www.teleAstro.in

# लग्न भिन्नाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| वृषभ | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 5 |
| मिथुन | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 |
| कर्क | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| सिंह | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| कन्या | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 4 |
| तुला | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 5 |
| वृश्चिक | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| धनु | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 5 |
| मकर | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 3 |
| कुंभ | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| मीन | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 4 |

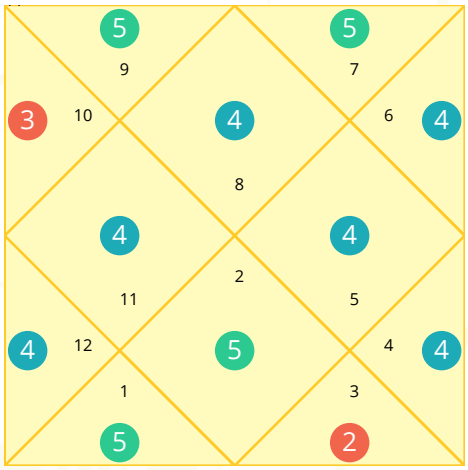


**सूचक**

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित



www.teleAstro.in

# सर्वाष्टक वर्ग

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | लग्न | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | 3 | 6 | 4 | 3 | 5 | 6 | 6 | 0 | 33 |
| वृषभ | 4 | 3 | 2 | 5 | 7 | 4 | 3 | 0 | 28 |
| मिथुन | 4 | 6 | 4 | 5 | 4 | 3 | 3 | 0 | 29 |
| कर्क | 3 | 5 | 4 | 5 | 6 | 7 | 4 | 0 | 34 |
| सिंह | 6 | 2 | 5 | 5 | 3 | 3 | 4 | 0 | 28 |
| कन्या | 3 | 3 | 2 | 5 | 4 | 5 | 3 | 0 | 25 |
| तुला | 3 | 3 | 1 | 2 | 5 | 4 | 3 | 0 | 21 |
| वृश्चिक | 4 | 4 | 5 | 5 | 4 | 4 | 3 | 0 | 29 |
| धनु | 4 | 3 | 3 | 5 | 5 | 2 | 2 | 0 | 24 |
| मकर | 4 | 5 | 3 | 6 | 3 | 5 | 1 | 0 | 27 |
| कुंभ | 4 | 4 | 4 | 5 | 7 | 5 | 5 | 0 | 34 |
| मीन | 6 | 5 | 2 | 3 | 3 | 4 | 2 | 0 | 25 |

**सूचक**

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

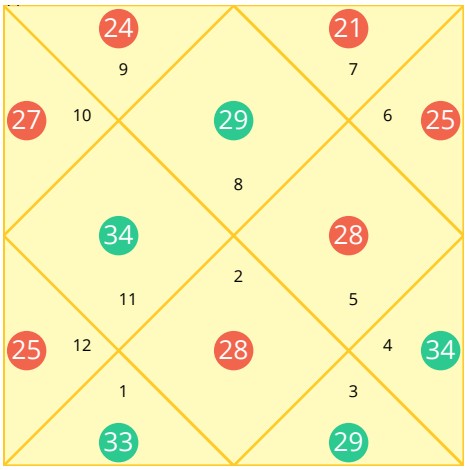




www.teleAstro.in

# विम्शोत्तरी दशा - I

## राहु

03-08-1985 13:52
04-08-2003 01:52

| | |
|---|---|
| राहु | 15-04-1988 18:04 |
| गुरु | 09-09-1990 08:28 |
| शनि | 16-07-1993 07:34 |
| बुध | 02-02-1996 16:52 |
| केतु | 20-02-1997 05:10 |
| शुक्र | 20-02-2000 23:10 |
| सूर्य | 14-01-2001 16:34 |
| चन्द्र | 16-07-2002 13:34 |
| मंगल | 04-08-2003 01:52 |

## गुरु

04-08-2003 01:52
04-08-2019 01:52

| | |
|---|---|
| गुरु | 21-09-2005 06:40 |
| शनि | 03-04-2008 13:52 |
| बुध | 10-07-2010 11:28 |
| केतु | 16-06-2011 09:04 |
| शुक्र | 14-02-2014 09:04 |
| सूर्य | 03-12-2014 13:52 |
| चन्द्र | 03-04-2016 13:52 |
| मंगल | 10-03-2017 11:28 |
| राहु | 04-08-2019 01:52 |

## शनि

04-08-2019 01:52
03-08-2038 19:52

| | |
|---|---|
| शनि | 06-08-2022 20:55 |
| बुध | 16-04-2025 00:04 |
| केतु | 25-05-2026 19:43 |
| शुक्र | 25-07-2029 10:43 |
| सूर्य | 07-07-2030 10:25 |
| चन्द्र | 05-02-2032 17:55 |
| मंगल | 16-03-2033 13:34 |
| राहु | 21-01-2036 12:40 |
| गुरु | 03-08-2038 19:52 |

## बुध

03-08-2038 19:52
04-08-2055 01:52

| | |
|---|---|
| बुध | 30-12-2040 11:19 |
| केतु | 27-12-2041 16:16 |
| शुक्र | 27-10-2044 13:16 |
| सूर्य | 03-09-2045 00:22 |
| चन्द्र | 02-02-2047 10:52 |
| मंगल | 30-01-2048 15:49 |
| राहु | 19-08-2050 01:07 |
| गुरु | 23-11-2052 22:43 |
| शनि | 04-08-2055 01:52 |

## केतु

04-08-2055 01:52
03-08-2062 19:52

| | |
|---|---|
| केतु | 31-12-2055 05:19 |
| शुक्र | 01-03-2057 08:19 |
| सूर्य | 07-07-2057 04:25 |
| चन्द्र | 05-02-2058 05:55 |
| मंगल | 04-07-2058 09:22 |
| राहु | 22-07-2059 21:40 |
| गुरु | 27-06-2060 19:16 |
| शनि | 06-08-2061 14:55 |
| बुध | 03-08-2062 19:52 |

## शुक्र

03-08-2062 19:52
03-08-2082 19:52

| | |
|---|---|
| शुक्र | 03-12-2065 07:52 |
| सूर्य | 03-12-2066 13:52 |
| चन्द्र | 03-08-2068 07:52 |
| मंगल | 03-10-2069 10:52 |
| राहु | 03-10-2072 04:52 |
| गुरु | 04-06-2075 04:52 |
| शनि | 03-08-2078 19:52 |
| बुध | 03-06-2081 16:52 |
| केतु | 03-08-2082 19:52 |


www.teleAstro.in

# विम्शोत्तरी दशा - II

| सूर्य | | चन्द्र | | मंगल | |
|---|---|---|---|---|---|
| 03-08-2082 19:52<br>03-08-2088 07:52 | | 03-08-2088 07:52<br>03-08-2098 19:52 | | 03-08-2098 19:52<br>04-08-2105 13:52 | |
| सूर्य | 21-11-2082 09:40 | चन्द्र | 03-06-2089 16:52 | मंगल | 30-12-2098 23:19 |
| चन्द्र | 23-05-2083 00:40 | मंगल | 02-01-2090 18:22 | राहु | 18-01-2100 11:37 |
| मंगल | 27-09-2083 20:46 | राहु | 04-07-2091 15:22 | गुरु | 25-12-2100 09:13 |
| राहु | 21-08-2084 14:10 | गुरु | 02-11-2092 15:22 | शनि | 03-02-2102 04:52 |
| गुरु | 09-06-2085 18:58 | शनि | 03-06-2094 22:52 | बुध | 31-01-2103 09:49 |
| शनि | 22-05-2086 18:40 | बुध | 03-11-2095 09:22 | केतु | 29-06-2103 13:16 |
| बुध | 29-03-2087 05:46 | केतु | 03-06-2096 10:52 | शुक्र | 28-08-2104 16:16 |
| केतु | 04-08-2087 01:52 | शुक्र | 02-02-2098 04:52 | सूर्य | 03-01-2105 12:22 |
| शुक्र | 03-08-2088 07:52 | सूर्य | 03-08-2098 19:52 | चन्द्र | 04-08-2105 13:52 |

## वर्त्तमान दशा

| दशा नाम | ग्रह | आरम्भ तिथि | सम्पति तिथि |
|---|---|---|---|
| महादशा | शनि | 04-08-2019 01:52 | 03-08-2038 19:52 |
| अंतर्दशा | शनि | 04-08-2019 01:52 | 06-08-2022 20:55 |
| प्रत्यंतर दशा | बुध | 25-01-2020 01:17 | 28-06-2020 17:11 |
| सूक्ष्म दशा | गुरु | 14-05-2020 07:32 | 04-06-2020 01:40 |

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**



www.teleAstro.in

# योगिनी दशा - I

## मंगला (1 वर्ष)

27-6-1990 8:52
27-6-1991 8:52

| | |
|---|---|
| मंगला | 7-7-1990 12:22 |
| पिंगला | 27-7-1990 19:22 |
| धान्य | 27-8-1990 5:52 |
| भ्रामरी | 6-10-1990 19:52 |
| भद्रिका | 26-11-1990 13:22 |
| उल्का | 26-1-1991 10:22 |
| सिद्धि | 7-4-1991 10:52 |
| संकटा | 27-6-1991 8:52 |

## पिंगला (2 वर्ष)

27-6-1991 8:52
27-6-1993 8:52

| | |
|---|---|
| पिंगला | 6-8-1991 22:52 |
| धान्य | 6-10-1991 19:52 |
| भ्रामरी | 26-12-1991 23:52 |
| भद्रिका | 6-4-1992 10:52 |
| उल्का | 6-8-1992 4:52 |
| सिद्धि | 26-12-1992 5:52 |
| संकटा | 6-6-1993 13:52 |
| मंगला | 27-6-1993 8:52 |

## धान्य (3 वर्ष)

27-6-1993 8:52
27-6-1996 8:52

| | |
|---|---|
| धान्य | 26-9-1993 16:22 |
| भ्रामरी | 26-1-1994 10:22 |
| भद्रिका | 27-6-1994 14:52 |
| उल्का | 27-12-1994 5:52 |
| सिद्धि | 28-7-1995 7:22 |
| संकटा | 27-3-1996 19:22 |
| मंगला | 27-4-1996 5:52 |
| पिंगला | 27-6-1996 8:52 |

## भ्रामरी (4 वर्ष)

27-6-1996 8:52
27-6-2000 8:52

| | |
|---|---|
| भ्रामरी | 6-12-1996 16:52 |
| भद्रिका | 27-6-1997 14:52 |
| उल्का | 26-2-1998 2:52 |
| सिद्धि | 7-12-1998 4:52 |
| संकटा | 27-10-1999 20:52 |
| मंगला | 7-12-1999 10:52 |
| पिंगला | 26-2-2000 14:52 |
| धान्य | 27-6-2000 8:52 |

## भद्रिका (5 वर्ष)

27-6-2000 8:52
27-6-2005 8:52

| | |
|---|---|
| भद्रिका | 8-3-2001 0:22 |
| उल्का | 6-1-2002 9:22 |
| सिद्धि | 27-12-2002 11:52 |
| संकटा | 6-2-2004 7:52 |
| मंगला | 28-3-2004 1:22 |
| पिंगला | 7-7-2004 12:22 |
| धान्य | 6-12-2004 16:52 |
| भ्रामरी | 27-6-2005 8:52 |

## उल्का (6 वर्ष)

27-6-2005 8:52
27-6-2011 8:52

| | |
|---|---|
| उल्का | 27-6-2006 14:52 |
| सिद्धि | 27-8-2007 17:52 |
| संकटा | 26-12-2008 17:52 |
| मंगला | 25-2-2009 14:52 |
| पिंगला | 27-6-2009 8:52 |
| धान्य | 26-12-2009 23:52 |
| भ्रामरी | 27-8-2010 11:52 |
| भद्रिका | 27-6-2011 8:52 |


www.teleAstro.in

# योगिनी दशा - II

## सिद्धि (7 वर्ष)

27-6-2011 8:52
27-6-2018 8:52

| | |
|---|---|
| सिद्धि | 5-11-2012 12:22 |
| संकटा | 27-5-2014 16:22 |
| मंगला | 6-8-2014 16:52 |
| पिंगला | 26-12-2014 17:52 |
| धान्य | 27-7-2015 19:22 |
| भ्रामरी | 6-5-2016 21:22 |
| भद्रिका | 26-4-2017 23:52 |
| उल्का | 27-6-2018 8:52 |

## संकटा (8 वर्ष)

27-6-2018 8:52
27-6-2026 8:52

| | |
|---|---|
| संकटा | 6-4-2020 16:52 |
| मंगला | 26-6-2020 20:52 |
| पिंगला | 6-12-2020 4:52 |
| धान्य | 6-8-2021 16:52 |
| भ्रामरी | 27-6-2022 8:52 |
| भद्रिका | 7-8-2023 4:52 |
| उल्का | 6-12-2024 4:52 |
| सिद्धि | 27-6-2026 8:52 |

## मंगला (1 वर्ष)

27-6-2026 8:52
27-6-2027 8:52

| | |
|---|---|
| मंगला | 7-7-2026 12:22 |
| पिंगला | 27-7-2026 19:22 |
| धान्य | 27-8-2026 5:52 |
| भ्रामरी | 6-10-2026 19:52 |
| भद्रिका | 26-11-2026 13:22 |
| उल्का | 26-1-2027 10:22 |
| सिद्धि | 7-4-2027 10:52 |
| संकटा | 27-6-2027 8:52 |

## पिंगला (2 वर्ष)

27-6-2027 8:52
27-6-2029 8:52

| | |
|---|---|
| पिंगला | 6-8-2027 22:52 |
| धान्य | 6-10-2027 19:52 |
| भ्रामरी | 26-12-2027 23:52 |
| भद्रिका | 6-4-2028 10:52 |
| उल्का | 6-8-2028 4:52 |
| सिद्धि | 26-12-2028 5:52 |
| संकटा | 6-6-2029 13:52 |
| मंगला | 27-6-2029 8:52 |

## धान्य (3 वर्ष)

27-6-2029 8:52
27-6-2032 8:52

| | |
|---|---|
| धान्य | 26-9-2029 16:22 |
| भ्रामरी | 26-1-2030 10:22 |
| भद्रिका | 27-6-2030 14:52 |
| उल्का | 27-12-2030 5:52 |
| सिद्धि | 28-7-2031 7:22 |
| संकटा | 27-3-2032 19:22 |
| मंगला | 27-4-2032 5:52 |
| पिंगला | 27-6-2032 8:52 |

## भ्रामरी (4 वर्ष)

27-6-2032 8:52
27-6-2036 8:52

| | |
|---|---|
| भ्रामरी | 6-12-2032 16:52 |
| भद्रिका | 27-6-2033 14:52 |
| उल्का | 26-2-2034 2:52 |
| सिद्धि | 7-12-2034 4:52 |
| संकटा | 27-10-2035 20:52 |
| मंगला | 7-12-2035 10:52 |
| पिंगला | 26-2-2036 14:52 |
| धान्य | 27-6-2036 8:52 |


www.teleAstro.in

# योगिनी दशा - III

## भद्रिका (5 वर्ष)

27-6-2036 8:52
27-6-2041 8:52

| | |
|---|---|
| भद्रिका | 8-3-2037 0:22 |
| उल्का | 6-1-2038 9:22 |
| सिद्धि | 27-12-2038 11:52 |
| संकटा | 6-2-2040 7:52 |
| मंगला | 28-3-2040 1:22 |
| पिंगला | 7-7-2040 12:22 |
| धान्य | 6-12-2040 16:52 |
| भ्रामरी | 27-6-2041 8:52 |

## उल्का (6 वर्ष)

27-6-2041 8:52
27-6-2047 8:52

| | |
|---|---|
| उल्का | 27-6-2042 14:52 |
| सिद्धि | 27-8-2043 17:52 |
| संकटा | 26-12-2044 17:52 |
| मंगला | 25-2-2045 14:52 |
| पिंगला | 27-6-2045 8:52 |
| धान्य | 26-12-2045 23:52 |
| भ्रामरी | 27-8-2046 11:52 |
| भद्रिका | 27-6-2047 8:52 |

## सिद्धि (7 वर्ष)

27-6-2047 8:52
27-6-2054 8:52

| | |
|---|---|
| सिद्धि | 5-11-2048 12:22 |
| संकटा | 27-5-2050 16:22 |
| मंगला | 6-8-2050 16:52 |
| पिंगला | 26-12-2050 17:52 |
| धान्य | 27-7-2051 19:22 |
| भ्रामरी | 6-5-2052 21:22 |
| भद्रिका | 26-4-2053 23:52 |
| उल्का | 27-6-2054 8:52 |

## संकटा (8 वर्ष)

27-6-2054 8:52
27-6-2062 8:52

| | |
|---|---|
| संकटा | 6-4-2056 16:52 |
| मंगला | 26-6-2056 20:52 |
| पिंगला | 6-12-2056 4:52 |
| धान्य | 6-8-2057 16:52 |
| भ्रामरी | 27-6-2058 8:52 |
| भद्रिका | 7-8-2059 4:52 |
| उल्का | 6-12-2060 4:52 |
| सिद्धि | 27-6-2062 8:52 |

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**


www.teleAstro.in

# चर दशा

## वृश्चिक (6 वर्ष)

10-10-1990
10-10-1996

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

## तुला (11 वर्ष)

10-10-1996
10-10-2007

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

## कन्या (12 वर्ष)

10-10-2007
10-10-2019

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

## सिंह (11 वर्ष)

10-10-2019
10-10-2030

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |

## कर्क (1 वर्ष)

10-10-2030
10-10-2031

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |

## मिथुन (3 वर्ष)

10-10-2031
10-10-2034

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |


www.teleAstro.in

| | |
|---|---|
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

| | |
|---|---|
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

| | |
|---|---|
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

### वृष (4 वर्ष)

10-10-2034
10-10-2038

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

### मेष (1 वर्ष)

10-10-2038
10-10-2039

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

### मीन (8 वर्ष)

10-10-2039
10-10-2047

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |
| कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 |

### कुम्भ (2 वर्ष)

10-10-2047
10-10-2049

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |

### मकर (1 वर्ष)

10-10-2049
10-10-2050

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |

### धनु (7 वर्ष)

10-10-2050
10-10-2057

| | |
|---|---|
| वृष | 10-11-2038 |
| मिथुन | 10-12-2038 |
| कर्क | 10-1-2039 |
| सिंह | 10-2-2039 |


www.teleAstro.in

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| कन्या | 10-3-2039 | कन्या | 10-3-2039 | कन्या | 10-3-2039 |
| तुला | 10-4-2039 | तुला | 10-4-2039 | तुला | 10-4-2039 |
| वृश्चिक | 10-5-2039 | वृश्चिक | 10-5-2039 | वृश्चिक | 10-5-2039 |
| धनु | 10-6-2039 | धनु | 10-6-2039 | धनु | 10-6-2039 |
| मकर | 10-7-2039 | मकर | 10-7-2039 | मकर | 10-7-2039 |
| कुम्भ | 10-8-2039 | कुम्भ | 10-8-2039 | कुम्भ | 10-8-2039 |
| मीन | 10-9-2039 | मीन | 10-9-2039 | मीन | 10-9-2039 |
| मेष | 10-10-2039 | मेष | 10-10-2039 | मेष | 10-10-2039 |

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**



www.teleAstro.in

# कालसर्प दोष

जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु और केतू ग्रहों के बीच अन्य सभी ग्रह आ जाते हैं तो कालसर्प दोष का निर्माण होता है। क्योकि कुंडली के एक भाव में राहु और दूसरे भाव में केतु के बैठे होने से अन्य सभी ग्रहों से आ रहे फल रुक जाते हैं। इन दोनों ग्रहों के बीच में सभी ग्रह फँस जाते हैं और यह जातक के लिए एक समस्या बन जाती है। इस दोष के कारण फिर काम में बाधा, नौकरी में रुकावट, शादी में देरी और धन संबंधित परेशानियाँ, उत्पन्न होने लगती हैं।

**कालसर्प योग वाले सभी जातकों पर इस योग का समान प्रभाव नहीं पड़ता। किस भाव में कौन सी राशि अवस्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह कहां बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है - इन सब बातों का भी संबंधित जातक पर भरपूर असर पड़ता है। इसलिए मात्र कालसर्प योग सुनकर भयभीत हो जाने की जरूरत नहीं बल्कि उसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उसके प्रभावों की विस्तृत जानकारी हासिल कर लेना ही बुद्धिमत्ता कही जायेगी। कालसर्प दोष कुंडली में ख़राब अवश्य माना जाता है किन्तु विधिवत तरह से यदि इसका उपाय किया जाए तो यही कालसर्प दोष सिद्ध योग भी बन सकता है।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अनन्त | कुलिक | वासुकी | शंखपाल |
| पद्म | महापद्म | तक्षक | कर्कोटक |
| शंखचूड़ | घातक | विषधर | शेषनाग |

## आपके जन्मपत्रिका में कालसर्पदोष

!!

आपकी जन्मपत्रिका में कालसर्प दोष नहीं है।

**कालसर्प नाम**

नहीं

**दिशा**

--



www.teleAstro.in

## कालसर्प दोष का प्रभाव

सामान्यतः काल सर्प दोष/योग जीवन के सभी पहलुओं में संघर्ष देता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य, धन, करियर, व्यवसाय, प्रेम, विवाह, संतान तथा जीवन से संबंधित कई अन्य मामलें हों । परन्तु, जातक की कुंडली में उपस्थित काल सर्प दोष/योग के सटीक प्रभाव को जानना अति आवश्यक है । क्या यह दोष/योग स्वास्थ्य, धन, कैरियर, व्यवसाय, प्रेम, विवाह, संतति या हमारे जीवन से संबंधित अन्य चीजों में बुरा प्रभाव और संघर्ष दे रहा है? यह आप कैसे जान सकते हैं ?

इसका निर्णय जन्म कुंडली के विभिन्न भावों में राहु तथा केतु की स्तिथि को जानकर हो सकता है । उद्धारणार्थ, यदि राहु लग्न में और केतु सप्तम भाव में स्तिथ हों तो व्यक्ति को स्वास्थ्य और धन में कठिनाइयों आ सकती हैं क्योंकि प्रथम भाव जातक की सेहत तथा जीवन संघर्ष का सूचक है । उसी प्रकार, यदि राहु द्वितीय भाव में हो तो व्यक्ति को उसी भाव से सम्बंधित मामलों जैसे पारिवारिक रिश्तों तथा धन प्राप्ति में संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है । तो इस प्रकार, जन्म कुंडली के बारह भावों में बन रहे काल सर्प दोष/योग के प्रभावों के अंकन से बारह प्रकार के काल सर्प दोष/योग बनते हैं ।

## कालसर्प दोष के उपाय

- कालसर्प दोष निवारण यंत्रा घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।

- हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

- गृह में मयूर (मोर) पंख रखें ।

- शुभ मुहूर्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।

- विद्यार्थीजन सरस्वती जी के बीज मंत्रों का एक वर्ष तक जाप करें और विधिवत उपासना करें।

- राहु की दशा आने पर प्रतिदिन एक माला राहु मंत्रा का जाप करें और जब जाप की संख्या 18 हजार हो जाये तो राहु की मुख्य समिधा दुर्वा से पूर्णाहुति हवन कराएं और किसी गरीब को उड़द व नीले वस्त्रा का दान करें

- महामृत्युंजय मंत्रों का जाप प्रतिदिन 11 माला रोज करें, जब तक राहु केतु की दशा-अंर्तदशा रहे और हर शनिवार को श्री शनिदेव का तैलाभिषेक करें और मंगलवार को हनुमान जी को चौला चढ़ायें।

- शुभ मुहूर्त में सर्वतोभद्रमण्डल यंत्रा को पूजित कर धारण करें।

- श्रावणमास में 30 दिनों तक महादेव का अभिषेक करें।

- एक वर्ष तक गणपति अथर्वशीर्ष का नित्य पाठ करें।

- श्रावण के महीने में प्रतिदिन स्नानोपरांत 11 माला 'नमः शिवाय' मंत्रा का जप करने के उपरांत शिवजी को बेलपत्रा व गाय का दूध तथा गंगाजल चढ़ाएं तथा सोमवार का व्रत करें।



www.teleAstro.in

## मांगलिक दोष क्या होता है

जिस जातक की जन्म कुंडली, लग्न/चंद्र कुंडली आदि में मंगल ग्रह, लग्न से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से कहीं भी स्थित हो, तो उसे मांगलिक कहते हैं।

कुण्डली में जब लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है तब कुण्डली में मंगल दोष माना जाता है। सप्तम भाव से हम दाम्पत्य जीवन का विचार करते हैं। अष्टम भाव से दाम्पत्य जीवन के मांगलीक सुख को देखा जाता है। मंगल लग्न में स्थित होने से सप्तम भाव और अष्टम भाव दोनों भावों को दृष्टि देता है। चतुर्थ भाव में मंगल के स्थित होने से सप्तम भाव पर मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि पड़ती है। द्वादश भाव में यदि मंगल स्थित है तब अष्टम दृष्टि से सप्तम भाव को देखता है।

मूल रूप से मंगल की प्रकृति के अनुसार ऐसा ग्रह योग हानिकारक प्रभाव दिखाता है, लेकिन वैदिक पूजा-प्रक्रिया के द्वारा इसकी भीषणता को नियंत्रित कर सकते है। मंगल ग्रह की पूजा के द्वारा मंगल देव को प्रसन्न किया जाता है, तथा मंगल द्वारा जनित विनाशकारी प्रभावों, सर्वारिष्ट को शांत व नियंत्रित कर सकारात्मक प्रभावों में वृद्धि की जा सकती है।

**लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे |**
**शुभ दृग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम् ||**

## मांगलिक विश्लेषण

| | |
|---|---|
| कुल मांगलिक प्रतिशत | 20.75% |

## मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है परन्तु मांगलिक दोष का प्रभाव बहुत कम होने से किसी हानि की अपेक्षा नहीं है । कुछ साधारण उपायो की मदद से इसे और कम किया जा सकता है।



www.teleAstro.in

## भाव के आधार पर

शनि द्वितीय भाव में आपके कुंडली में स्थित है।

सप्तम भाव में मंगल अवस्थित है।

## दृष्टि के आधार पर

सप्तम भाव राहु से दृष्ट है।

शनि , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव शनि से दृष्ट है।

मंगल की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को मंगल देख रहा है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को केतु देख रहा है।

सूर्य , आपके कुंडली के पंचम भाव को देख रहा है।

केतु , आपके कुंडली के पंचम भाव को देख रहा है।

## मांगलिक दोष के उपाय

- चांदी की चौकोर डिब्बी में शहद भरकर हनुमान मंदिर या किसी निर्जन वन, स्थान में रखने से मंगल दोष शांत होता है |

- मंगलवार को सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड का पाठ करना लाभकारी होता है |

- बंदरों व कुत्तों को गुड व आटे से बनी मीठी रोटी खिलाएं |

- मंगल चन्द्रिका स्तोत्र का पाठ करना भी लाभ देता है |

- माँ मंगला गौरी की आराधना से भी मंगल दोष दूर होता है |

- कार्तिकेय जी की पूजा से भी मंगल दोष के दुशप्रभाव में लाभ मिलता है |

- मंगलवार को बताशे व गुड की रेवड़ियाँ बहते जल में प्रवाहित करें |

- मंगली कन्यायें गौरी पूजन तथा श्रीमद्भागवत के 18 वें अध्याय के नवें श्लोक का जप अवश्य करें |



www.teleAstro.in

# पितृ दोष फल

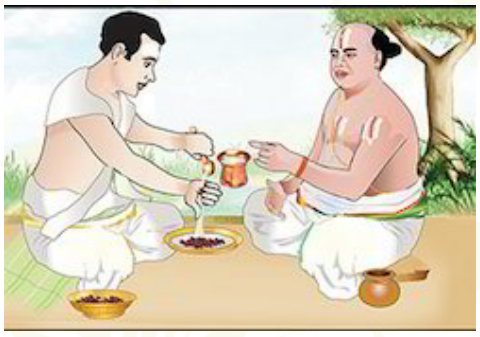

## पितृ दोष क्या होता है ?

पितृ दोष पूर्वजों की एक कार्मिक ऋण है और ग्रहों के संयोजन के रूप में जन्म कुंडली में परिलक्षित होता है। यह पूर्वजों की उपेक्षा के कारण भी होता है और श्राद्ध या दान या आध्यात्मिक उत्थान का यथोचित प्रबंध न करने के कारण भी पितृ दोष हो सकता है।

## पितृ दोष विश्लेषण

**क्या पितृ दोष आपकी कुंडली में उपस्थित है ?** **हाँ**

**आपकी जन्मपत्रिका में पितृ दोष उपस्थित है क्योकि इससे सम्बंधित 1 नियमों का सयोंजन आपकी कुंडली में हो रहा है। पितृ दोष का शमन इसके उपायो को करके किया जा सकता है अतः चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।**

## नियम जिनके द्वारा आपकी कुंडली में पितृ दोष की उपस्थिति

- वृश्चिक लग्न उदय हो रहा है।

## पितृ दोष के प्रभाव

- पितृ दोष के प्रभाव निम्नलिखित है -
- पितृ दोष से परिवार में प्रतिकूल वातावरण पैदा होती हैं।
- यह शादी में देरी होने और असफल विवाह में भी कारण होती है ।
- पितृ दोष भी परिवार में दुर्घटनाओं या अवांछित घटनाओं का कारण बन सकता है।
- इसके साथ शिक्षा के क्षेत्र में देरी या अवरोधों को पैदा कर सकता है या आपको कभी न खत्म होने वाला कर्ज जैसी परिस्थिति में पहुंचा सकता है ।
- विरासत में मिला रोग और लम्बी बीमारी पितृ दोष के बुरे प्रभावों में से एक है।


www.teleAstro.in

# पितृ दोष उपाय

- पितृ दोष शांत करने के उपाय निम्नलिखित है -

- अपने माता -पिता , भाई-बहन की हरसंभव सेवा करे।

- पीपल और बरगद के वृक्ष की पूजा करने से पितृ दोष की शान्ति होती है या पीपल का पेड़ किसी नदी के किनारे लगायें और पूजा करें, इसके साथ ही सोमवती अमावस्या को दूध की खीर बना, पितरों को अर्पित करने से भी इस दोष में कमी होती है या फिर प्रत्येक अमावस्या को एक ब्राह्मण को भोजन कराने व दक्षिणा वस्त्र भेंट करने से पितृ दोष कम होता है

- प्रत्येक अमावस्या को कंडे की धूनी लगाकर उसमें खीर का भोग लगाकर दक्षिण दिशा में पितरों का आव्हान करने व उनसे अपने कर्मों के लिये क्षमायाचना करने से भी लाभ मिलता है

- पितृ दोष निवारण हेतु पितृ पक्ष में त्रिपिंडी श्राद्ध करें।

- ऊँ नवकुल नागाय विद्महे विषदंताय धीमहि तन्नो सर्प प्रचोदयात् – "की एक रुद्राक्ष माला जप प्रतिदिन करें।

- घर एवं कार्यालय, दुकान पर मोर पंख लगावें।

- शनि के दिन ताजी मूली का दान करें। कोयले, बहते जल में प्रवाहित करें।

- सोमवती अमावस्या के दिन पितृ दोष निवारण पूजा करने से भी पितृ दोष में लाभ मिलाता है

- सूर्योदय के समय किसी आसन पर खड़े होकर सूर्य को निहारने, उससे शक्ति देने की प्रार्थना करने और गायत्री मंत्र का जाप करने से भी सूर्य मजबूत होता है

- भगवान शंकर की प्रतिदिन पूजा एवं आराधना करने से भी पितृ दोष की शांति होती है।


www.teleAstro.in

## साढ़ेसाती क्या होता है

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार साढ़े साती तब बनती है जब शनि गोचर में जन्म चन्द्र से प्रथम, द्वितीय और द्वादश भाव से गुजरता है। शनि एक राशि से गुजरने में ढ़ाई वर्ष का समय लेता है इस तरह तीन राशियों से गुजरते हुए यह साढ़े सात वर्ष का समय लेता है जो साढ़े साती कही जाती है। सामान्य अर्थ में साढ़े साती का अर्थ हुआ सात वर्ष छ: मास।

साढ़े साती के समय व्यक्ति को कठिनाईयों एवं परेशानियों का सामना करना होता है परंतु इसमें घबराने वाली बात नहीं हैं। इसमे कठिनाई और मुश्किल हालत जरूर आते हैं परंतु इस दौरान व्यक्ति को कामयाबी भी मिलती है। बहुत से व्यक्ति साढ़े साती के प्रभाव से सफलता की उंचाईयों पर पहुंच जाते हैं। साढ़े साती व्यक्ति को कर्मशील बनाता है और उसे कर्म की ओर ले जाता है। हठी, अभिमानी और कठोर व्यक्तियों से यह काफी मेहनत करवाता है।

## क्या आप साढ़ेसाती में है

नहीं, आप पर इस समय साढ़ेसाती का प्रभाव नहीं है।

| | |
|---|---|
| **विचार करने का दिनाकं** | 25-5-2020 |
| **शनि राशि** | मकर |
| **चंद्र राशि** | मिथुन |
| **वक्री शनि** | हाँ |



www.teleAstro.in

# साढ़ेसाती विश्लेषण - II

| चंद्र राशि | शनि राशि | वक्री शनि | चरण प्रकार | दिनांक | संक्षिप्त विवरण |
|---|---|---|---|---|---|
| **मिथुन** | वृष | -- | उदय प्रारम्भ | 7-6-2000 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | मिथुन | -- | शिखर प्रारम्भ | 23-7-2002 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत। |
| **मिथुन** | मिथुन | हाँ | उदय प्रारम्भ | 8-1-2003 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | मिथुन | -- | शिखर प्रारम्भ | 8-4-2003 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत। |
| **मिथुन** | कर्क | -- | अस्त प्रारम्भ | 6-9-2004 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | कर्क | हाँ | शिखर प्रारम्भ | 13-1-2005 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत। |
| **मिथुन** | कर्क | -- | अस्त प्रारम्भ | 26-5-2005 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | -- | अस्त समाप्त | 1-11-2006 | साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | हाँ | अस्त प्रारम्भ | 10-1-2007 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | -- | अस्त समाप्त | 16-7-2007 | साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | -- | उदय प्रारम्भ | 8-8-2029 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | हाँ | उदय समाप्त | 5-10-2029 | साढ़ेसाती के उदय चरण के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | -- | उदय प्रारम्भ | 17-4-2030 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | कर्क | -- | अस्त प्रारम्भ | 13-7-2034 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | -- | अस्त समाप्त | 27-8-2036 | साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | -- | उदय प्रारम्भ | 28-5-2059 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | मिथुन | -- | शिखर प्रारम्भ | 11-7-2061 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत। |
| **मिथुन** | मिथुन | हाँ | उदय प्रारम्भ | 13-2-2062 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | मिथुन | -- | शिखर प्रारम्भ | 7-3-2062 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत। |
| **मिथुन** | कर्क | -- | अस्त प्रारम्भ | 24-8-2063 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | कर्क | हाँ | शिखर | 5-2-2064 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण |


www.teleAstro.in

| चंद्र राशि | शनि राशि | वक्री शनि | चरण प्रकार | दिनांक | संक्षिप्त विवरण |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रारम्भ | | का अंत। |
| **मिथुन** | कर्क | -- | अस्त प्रारम्भ | 9-5-2064 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | -- | अस्त समाप्त | 13-10-2065 | साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | हाँ | अस्त प्रारम्भ | 3-2-2066 | साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | सिंह | -- | अस्त समाप्त | 3-7-2066 | साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | -- | उदय प्रारम्भ | 18-7-2088 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | हाँ | उदय समाप्त | 30-10-2088 | साढ़ेसाती के उदय चरण के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है। |
| **मिथुन** | वृष | -- | उदय प्रारम्भ | 5-4-2089 | साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है। |
| **मिथुन** | मिथुन | -- | शिखर प्रारम्भ | 19-9-2090 | साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत। |


www.teleAstro.in

## साढ़े सती उपाय

- साढ़ेसाती के अनिष्ट प्रभावों को काम करने के उपाय निम्नलिखित है -

- साढ़े साती की परेशानी से बचने के लिए नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

- इस ग्रह दशा से बचने के लिए काले घोड़े की नाल की अंगूठी बनाकर उसे दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में पहनना चाहिए।

- शनि देव को शनिवार के दिन सरसों का तेल और तांबा भेट करना चाहिए।

- किसी गरीब व्यक्ति को काले कंबल का दान करें।

- शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करें और जल चढ़ाएं।

- हर मंगलवार और शनिवार ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप करें। मंत्र जप की संख्या कम से कम 108 करे।

- धार्मिक आचरण बनाए रखें और किसी का अनादर न करें।

- हर शनिवार को शनि के निमित्त तेल का दान करें। तेल दान करने से पहले तेल में अपना चेहरा देख लेना चाहिए। यह उपाय हर शनिवार किया जाना चाहिए।

- शनि बीज मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः प्रतिदिन 108 बार अवश्य करें

- शनि प्रकोप से मुक्ति के लिए सुंदर काण्ड का नियमित पाठ अवश्य करें।

- रोटी में तेल लगाकर कुत्ते या कौए को खिलाएं।



www.teleAstro.in

# रत्न उपाय विचार

*वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों से सूक्ष्म ऊर्जाओं का उत्सर्जन होता है, जिनका हमारी जन्म कुंडली में ग्रहों की स्तिथि के अनुसार, हमारे जीवन पर प्रतिवर्ती हितकारी अथवा अनिष्टकारी प्रभाव पड़ते हैं । प्रत्येक ग्रह का अपना एक अनूठा तत्सम्बन्धित ज्योतिषीय रत्न होता है जो उसी ग्रह के अनुरूप ब्रह्मांडीय वर्ण-ऊर्जा का प्रसार करता है । रत्न सकारात्मक किरणों के प्रतिबिंब या नकारात्मक किरणों के अवशोषण द्वारा अपना कार्य करते हैं । ये रत्न केवल सकारात्मक स्पंदनों को ही शरीर में प्रवेश करने देते हैं; इस कारण उपयुक्त रत्न पहनाने से उसके धारण कर्ता पर सम्बंधित ग्रह के लाभदायक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है ।*

## जीवन रत्न

**मूंगा**

लग्न, शरीर और शरीर से संबंधित सभी बातों का - जैसे स्वास्थ्य, दीर्घायु, नाम, प्रतिष्ठा, जीवन-उद्देश्य आदि का प्रतीक होता है। संक्षेप में, इस में पूरे जीवन का सार समाया है । इसलिए लग्न के स्वामी अर्थात लग्नेश से संबंधित रत्न को जीवन रत्न कहा जाता है । इस रत्न के गुणों तथा शक्तियों का पूरा लाभ उठाने के लिए इसे आजीवन पहना जा सकता है और पहनना भी चाहिए ।

## कारक रत्न

**पुखराज**

जन्म कुंडली का पंचम भाव भी एक शुभ भाव है। पांचवा भाव बुद्धि, उच्च शिक्षा, संतान, अप्रत्याशित धन-प्राप्ति आदि का द्योतक है। इस भाव को 'पूर्व पुण्य कर्मों' का अर्थात पिछले जन्मों के अच्छे कर्मों का स्थान भी माना जाता है । इसी कारण इसे शुभ भाव कहते हैं । पंचम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को कारक रत्न कहा जाता है।

## भाग्य रत्न

**मोती**

जन्म-कुंडली के नवम भाव को भाग्य या प्रारब्ध का स्थान कहा जाता है । यह भाव भाग्य, सफलता, ज्ञान, गुणदोष और उपलब्धियों आदि का द्योतक है । यह भाव व्यक्ति द्वारा पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्मों के कारण प्राप्त होने वाले फल स्वरूप आनंद की ओर संकेत करता है । नवम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को भाग्य रत्न कहते हैं । इस रत्न को धारण करने से भाग्य में वृद्धि होती है ।



www.teleAstro.in

## जीवन रत्न - मूंगा

| | | | |
|---|---|---|---|
| विकल्प | लाल सुलेमानी | दिन | मंगलवार |
| उंगली | तर्जनी | अधिदेवता | मंगल |
| भार | 6 - 10.25 कैरेट | धातु | स्वर्ण |

### विवरण

लाल मूंगा का स्वामी ग्रह मंगल है । लाल मूंगा व्यक्ति को साहसी बनाता है और उसकी अपने दुश्मनों को पछाड़ने में सहायता करता है । लाल मूंगा दुष्ट आत्माओं, जादू-टोना और बुरे स्वप्नों से बचाता है ।

### भार व धातु

लाल मूंगा का वजन ६ कैरेट से अधिक होना चाहिए । इसे सोने और तांबे के मिश्रण से बनी अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

### पहनने का समय

लाल मूंगा रत्न चंद्रमास के शुक्ल पक्ष के किसी भी मंगलवार को सूर्योदय के एक घंटे बाद धारण किया जा सकता है ।

### मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । लाल मूंगा धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

**ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः**

### प्राण प्रतिष्ठा

लाल मूंगा की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

### उंगली

मंत्र जाप के बाद, लाल मूंगे की अंगूठी को दाहिने हाथ की अनामिका (रिंग फिंगर) में धारण करें ।

### विकल्प

लाल मूंगा के स्थान पर संग मुंगी (संग-सितारा), कार्नेलियन और रेड जास्पर (सूर्यकांत मणि) जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

### सावधानी

ध्यान रहें कि लाल मूंगे को पन्ना, हीरा, नीलम, गोमेद, लहसुनिया और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।



www.teleAstro.in

## कारक रत्न - पुखराज

| | | | |
|---|---|---|---|
| विकल्प | टोपाज | दिन | गुरुवार |
| उंगली | तर्जनी | अधिदेवता | गुरु |
| भार | 4 - 5.25 कैरेट | धातु | स्वर्ण |

### विवरण

पुखराज रत्न का स्वामी ग्रह बृहस्पति (गुरु) है । शुद्ध पुखराज दोषरहित , चमकदार, दीप्तिमान, स्पर्श करने में चिकना और उत्तम वर्ण का होता हैं । पुखराज धारण करने से अच्छे स्वास्थ्य, ज्ञान, संपत्ति, दीर्घायु, नाम, सम्मान और यश की प्राप्ति होती है । यह बुरी आत्माओं के कुप्रभाव से भी रक्षा करता है ।

### भार व धातु

पुखराज का वजन ३ कैरेट से अधिक होना चाहिए; परंतु ६, ११ अथवा १५ कैरेट का न हो इस बात का ध्यान रखें । इसे सोने की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

### पहनने का समय

पुखराज रत्न को चंद्रमास के शुक्ल पक्ष के किसी भी गुरुवार की सुबह धारण किया जा सकता है ।

### मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । पुखराज धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः

### प्राण प्रतिष्ठा

पुखराज की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

### उंगली

मंत्र जाप के बाद, पुखराज को दाहिने हाथ की अनामिका (रिंग फिंगर) में धारण करें ।

### विकल्प

पुखराज के स्थान पर पीला मोती, पीला जिक्रोन, पीली तूरमली, टोपाज़ और सिट्रीन (क्वार्ट्ज टोपाज़) जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

### सावधानी

ध्यान रहें कि पुखराज को हीरे, नीलम, गोमेद और लहसुनिया के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।



www.teleAstro.in

## भाग्य रत्न - मोती

| | | | |
|---|---|---|---|
| **विकल्प** | चंद्रमणि | **दिन** | सोमवार |
| **उंगली** | अनामिका या कनिष्ठा | **अधिदेवता** | चंद्रमा |
| **भार** | 5 - 7.25 कैरेट | **धातु** | चांदी |

### विवरण

मोती रत्न का स्वामी ग्रह चंद्र है । मोती धारण करने से धन, प्रसिद्धि और जीवन-शक्ति की प्राप्ति होती है । मोती धारण करने वाला व्यक्ति मेधावी होता है और दीर्घ जीवन जीता है।

### भार व धातु

वजन में २, ४, ६ या ११ कैरेट का दोषरहित मोती पहनना चाहिए । इसे चांदी की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

### पहनने का समय

मोती को शुक्ल पक्ष के किसी भी सोमवार को सूर्योदय के बाद धारण किया जा सकता है ।

### मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । मोती धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

**ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः**

### प्राण प्रतिष्ठा

अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

### उंगली

मंत्र जाप के बाद, मोती को दाहिने हाथ की अनामिका (रिंग फिंगर) अथवा कनिष्ठा अंगुली में धारण किया जा सकता है।

### विकल्प

मोती के स्थान पर चन्द्रकान्त मणि या सफ़ेद नीलम जैसे विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं।

### सावधानी

ध्यान रहें कि मोती को हीरा, नीलम, पन्ना, लहसुनिया और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।



www.teleAstro.in

**दस मुखी रुद्राक्ष**

## आपको दस मुखी रुद्राक्ष धारण करने की सलाह दी जाती है।

दस मुखी रुद्राक्ष दसावतार का प्रतीक है। इसकी भगवान् विष्णु (रक्षक) के रूप में भी पूजा की जाती है। यह धारक को मुश्किल समय से निकलने में मदद करता है तथा सुनिश्चित करता है कि धारक तथा धारक का परिवार सुरक्षित रहे। यह सुरक्षा की एक भावना पैदा करता है तथा हीनभावना को मिटाता है। इस मनके का कोई स्वामी ग्रह नहीं हैं। राजनीतिक क्षेत्र में सम्मान बढ़ता है। यह नवग्रहों को शांत करने में उपयोगी है। इसे धारण करने से दस मानव अंगों द्वारा किये गए सभी पापों का नाश होता है।



www.teleAstro.in

# शुभाशुभ अंक

| 3 | 1 | 3 |
|---|---|---|
| भाग्यांक | मूलांक | नामांक |

| | |
|---|---|
| आपका नाम | Sample |
| जन्म दिनांक | 10-10-1990 |
| मूलांक | 1 |
| मूलांक स्वामी | सूर्य |
| मित्र अंक | 9 |
| सम अंक | 2 |
| शत्रु अंक | 6 |
| शुभ दिन | रविवार, सोमवार |
| शुभ रत्न | माणिक |
| शुभ उपरत्न | रक्तॅमणि, लाल तुरमली |
| शुभ देवता | सूर्य |
| शुभ धातु | तांबा |
| शुभ रंग | लाल |
| शुभ मंत्र | \|\| ओम ह्रिंग सूर्याय नमः \|\| |


www.teleAstro.in

## आपके बारे में

आपका मूलांक एक है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा के व्यक्ति होंगे। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगे। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगे उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगे। इच्छाशक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन संबंधों में , मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा। लंबे समय तक जो भी विचार बना लेंगे उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगे। आपके प्रेम स्थायी बने रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा। मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगे। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगे। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी की आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप आपको मंजूर नहीं होगा।

## शुभ व्रत समय

आपको रविवार का व्रत रखना लाभप्रद एवं रोग मुक्तिकारक रहेगा। एक समय भोजन करें। भोजन के साथ नमक का सेवन न करने से यह विशेष फलदायक रहता है। व्रत के दिन भोजन करने से पूर्व प्रातः स्नान के पश्चात सुगन्धित अगरबत्ती जला कर ' आदित्य हृदय स्तोत्र ' का पाठ करें। तब आपको स्वयं अनुभव होगा कि आप विभिन्न बाधाओं से मुक्त हो रहे हैं एवं बीमारियां आपसे दूर रहेंगी। यह व्रत एक वर्ष, तीस या बारह रविवार को करें। व्रत के दिन लाल वस्त्र धारण करें, सूर्य गायत्री मंत्र से सूर्य को अर्घ्य दें। तांबे का अर्घ्य पात्र लें। उसमें जल भरें। जल में लाल चंदन, रोली, चावल, लाल फूल एवं दूब डाल कर, सूर्य भगवान का दर्शन करते हुए अर्घ्य प्रदान करें। पश्चात सूर्य के मंत्र का यथाशक्ति, सूर्य मणि माला पर जप करें।


www.teleAstro.in

## शुभ देवता

आप सूर्योपासना करें तथा उगते सूर्य का दर्शन करते हुए नित्य एक लोटा अर्घ्य ( रोली, चावल , जल में डाल कर) ग्यारह या इक्कीस बार सूर्य गायत्री मंत्र का जप करते हुए, सूर्य भगवान को प्रदान करें। सूर्य जीवनदाता है। अतः इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो माणिक जड़ित स्वर्ण अंगूठी के दर्शन कर लें।

## शुभ गायत्री मंत्र

आपके लिए, सूर्य के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, सूर्य के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा। गायत्री मंत्र : ||आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नः प्रचोदयात्त।।

## शुभ ध्यान समय

प्रातः काल उठ कर आप सूर्य का ध्यान करें, मन में सूर्य की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात निम्न मंत्र का पाठ करें। || जपा कुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्। तमो?रिं सर्वपापघ्नं प्रणतो?स्मि दिवाकरम्।।



www.teleAstro.in

## शुभ मंत्र

अशुभ सूर्य को अनुकूल बनाने हेतु सूर्य के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे। ||
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।। जप संख्या 6000

## आपके के लिए शुभ समय

पाश्चात्य मतानुसार दिनांक 21 मार्च से 20 अप्रैल तथा 24 जुलाई से 23 अगस्त एवं भारतीय मतानुसार दिनांक 13 अप्रैल से 12 मई और 17 अगस्त से 16 सितम्बर तक गोचर में सूर्य, मेष तथा सिंह राशि में रहता है। मेष में सूर्य उच्च का तथा सिंह में अपने घर में होता है। इस समय में सूर्य की किरणें प्रखर एवं तेजस्वी होने से मूलांक एक के लिए यह समय सभी दृष्टियों से उन्नतिशील तथा कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा। इस समय में किये गए कार्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।


www.teleAstro.in

## शुभ वास्तु

आपके लिए ऐसे राष्ट्र, देश, प्रदेश, शहर, ग्राम, बाजार, मकान, काम्प्लेक्स या फ्लैट में निवास करना शुभ रहेगा, जिसका मूलांक या नामांक एक हो। पूर्व दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप अपने शहर के पूर्वी क्षेत्र में, या भवन के पूर्वी क्षेत्र में निवास करें। आपकी बैठक पूर्व दिशा की ओर होना लाभप्रद रहेगा। आपके लिए पूर्वी क्षेत्र के व्यक्ति, पूर्वी देशों, पूर्वी स्थानों में नौकरी, रोजगार, व्यापार करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों का समावेश आपके कपड़ों में होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। भवन, वाहन, पर्दे, फर्नीचर इत्यादि का रंग भी यदि आप पीला, सुनहरी या भूरा रखेंगे तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुश खुशहाली बढ़ेगी।


www.teleAstro.in

## लग्न फल - वृश्चिक

| | |
|---|---|
| स्वामी | मंगल |
| प्रतीक | बिच्छू |
| विशेषताएँ | जल तत्त्व, स्थिर, उत्तर |
| भाग्यशाली रत्न | मूंगा |
| व्रत का दिन | मंगलवार |

**देहं रूपं च ज्ञानं च वर्णं चैव बलाबलम् |**
**सुखं दुःखं स्वभावञ्च लग्नभावान्निरीक्षयेत ||**

वृश्चिक राशि के व्यक्ति का स्वभाव अपनी बातों को छिपाकर रखने का होता है,वे गंभीर, रचनात्मक या विनाशक, संकोची, नैतिकतावादी अथवा निम्न आचरण करने वाले, समझने में मुश्किल,अनवरत, साहसी, विचारधारा में जिद्दी, स्वेछाचारी , रचनात्मक, आत्मनिर्भर, स्व-नियंत्रित (भावावेश की अवस्था को छोड़कर ) और मौन रहने वाले होते हैं ।

आध्यात्मिक ज्योतिषी इसाबेल हिक्की के अनुसार, कोई अपरिपूर्ण आत्मा वृश्चिक राशि में पैदा नहीं होती है। यह एक उर्जावान और तेजस्वी राशि मानी जाती है। यह राशि एक रणभूमि का प्रतिनिधित्व करती है जहां उच्च और निम्न स्तर के अंतर्मन को निर्णायक युद्ध के लिए आना ही पड़ता है ।

> " ये दोनों तरह के अंतर्मन अर्थात अच्छाई और बुराई एक साथ चलते हैं और अंत में बुराई मर जाती हैं और अंतरात्मा अच्छाई के रास्ते पर चलती है और उसका पालन करती है । इसमे शारीरिक, भावनात्मक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर सभी शामिल हैं।,आप बाहर से शांत दिखाई देते हैं, लेकिन आप अंदर से बेहद भावुक हो सकते हैं ।

कहावत भी है , 'धीर सो गंभीर' । आप शांत स्वभाव के हैं ,हमेशा दूसरों की नीयत के विषय में जानने को इच्छुक रहते है, लेकिन कभी भी अपने इरादे दूसरों नहीं बताते। आप ख़ुफ़िया कार्यों या खोजी कार्यों को करना पसंद करते है ।

आप सब कुछ जानकार ही रहते हैं,कि कैसे हुआ और क्यूँ हुआ । आप के अन्दर पर्याप्त महान दृढ़ संकल्प और शक्ति


www.teleAstro.in

है जिससे आप किसी भी विरोधी पर,यहाँ तक कि स्वयं पर भी विजय पा सकते हैं ।

आप को असंतोष, अधिकार की भावना और ईर्ष्या से उबरने की जरूरत है। आपके अन्दर आकर्षण और तन्मयता हैं, तंत्र-मन्त्र, मृत्यु, सेक्स या चिकित्सा में रुचि या उन्हे करने की क्षमता है। आप एक राक्षस या देवदूत हो सकते हैं ,एक बाज़ की तरह या चुभते बिच्छू की तरह भी हो सकते हैं।

> "मंगल और प्लूटो वृश्चिक राशि के स्वामी हैं अतः आपकी कुंडली में मंगल और प्लूटो महत्वपूर्ण होंगे।

ॐ

## सीखने के लिए आध्यात्मिक सबक

क्षमा

### सकारात्मक लक्षण

प्रभावशाली | प्रतिबद्ध | बुद्धिमान | कल्पनाशील

### नकारात्मक लक्षण

ईर्षालु | निर्मम | असहयोगी | गोपनीय



www.teleAstro.in

# आपकी कुंडली में ग्रहों का विश्लेषण

ज्योतिष के अनुसार सूर्य को सबसे शक्तिशाली ग्रह माना जाता है, यह जीवन का स्रोत है।सूर्य को स्वास्थ्य, जीवन शक्ति, ऊर्जा, शक्ति, पिता, सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव, प्रसिद्धि, साहस और व्यक्तिगत शक्ति काकारक कहा जाता है।

## आपकी कुंडली में सूर्य ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**कन्या** | अंश<br>**22:53:27** | नक्षत्र<br>**हस्त - 4** |
| स्वामी<br>**दसवां भाव** | भाव में<br>**ग्यारहवाँ भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / कुमार** |

सूर्य आपकी कुंडली मे लाभप्रद है

## आपके जन्मपत्रिका में सूर्य ग्यारहवाँ भाव में एवं कन्या राशि में स्थित है।

आप अपनी उपलब्धियों के लिए जाने जाते हैं . आप कुशाग्र बुद्धि तथा रोबीले व्यक्तित्व वाले व्यक्ति हैं . आप एक जिम्मेदार, उदार और निपुण मनुष्य हैं . कई लोग मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आप की ओर आकृष्ट होते हैं . आप में अच्छे नेतृत्व के गुण हैं और आप काफी प्रसिद्धि अर्जित करेंगें . आप धनाढ्य और दीर्घायु हैं . आप विभिन्न सुख सुविधा का आनंद ले पायेंगें . एक राजा के सामान आप को चिरकाल तक खुशियाँ मिलती रहेंगीं. दूसरें आपके बारे में क्या सोचते हैं - यह आप के लिए बहुत महत्वपूर्ण है

> " आप नेकदिल, न्याय परायण, धर्मभीरू, चतुर और कला-संगीत के शौकीन हैं

कार्यसिद्धि की प्रबल इच्छा आप की भावनाओं पर हावी हो सकती हैं. आप दैवी विश्वास के साथ अपने उद्देश्यों को सिद्ध करते हैं . अपने लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए आप काफी हद तक अपने दोस्तों, परिवारजनों और सहकर्मियों पर निर्भर रहते हैं . आप ऐसे दोस्त बनाने में सक्षम है जो बहुत प्रभावशाली और सत्ताधारक हैं. आप को समूहों में काम करना पसंद हैं . आप में संगठन कौशल हैं और अक्सर सामूहिक गतिविधियों में नेतृत्व की भूमिका अपनाते हैं. आप एक स्वतंत्र सलाहकार के रूप में या अन्य लोगों के संचित धन द्वारा आजीविका कमाता है. कई लोग आपके अधीन काम करते हैं . आप को सरकार अथवा


www.teleAstro.in

शक्तिशाली, धनाढ्य वर्ग से मान्यता और ख़्याति प्राप्त हो सकती है

अचानक धन प्राप्ति की भी सम्भावना है .आप अपने परिवार के कर्ता या ज्येष्ठ होंगें - आप पर अपने परिवार की सारी जिम्मेदारियों को निभाने का दायित्व होगा . बच्चे के जन्म में समस्या हो सकती है. बच्चों को स्वास्थ्य तथा अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है . आप को पेट से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं. आत्म केन्द्रित या अहंकारी होने से बचें . मांसाहार व शराब से दूर रहें . कभी किसी को धोखा न दें और न ही झूठी गवाही दें

| | |
|---|---|
| **सूर्य मंत्र** | **॥ ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः ॥** |



www.teleAstro.in

चंद्रमा में मन, शक्ति और भावनाओं को प्रभावित करने की क्षमता है। चंद्रमा पानी और प्राकृतिक शक्तियों से जुड़ा हुआ है,यह एक ढुलमुल ग्रह है जो परिवर्तनों से संबंधित है। चंद्रमा भावनाओं, कल्पना, माता, हृदय, स्मृति, नींद, यात्रा, इच्छा, बचपन, बुद्धि से सम्बंधित है। चंद्रमा व्यक्ति कीइच्छाओं और पसंद से सम्बंधित है।

## आपकी कुंडली में चन्द्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**मिथुन** | अंश<br>**10:30:26** | नक्षत्र<br>**आर्द्रा - 2** |
| स्वामी<br>**नौवां भाव** | भाव में<br>**आठवाँ भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / कुमार** |

चन्द्र आपकी कुंडली मे योगकारक है

## आपके जन्मपत्रिका में चन्द्र आठवाँ भाव में एवं मिथुन राशि में स्थित है।

आप सबसे अधिक अपनी भावनात्मक तीव्रता के लिए जाने जाते हैं. आप कोई भी कार्य कभी भी अधूरा नहीं करते हैं ; या तो सब कुछ या कुछ भी नहीं है - यही आप का सिद्धांत हैं . आप के मन में दूसरों के प्रति कर्तव्य और दायित्व की दृढ़ भावना है. आप बहुत ज्यादा गंभीर हैं और जीवन के बारे में चिंता करते हैं . आप अंदर से काफी नाजुक हैं. आप जीवन भर सुरक्षा तलाशते रहते हैं जिसके लिए आप कठिन परिश्रम भी करते हैं . भय और चिंता आप को अधिक ईमानदार और दृढ़ संकल्पी बनाते हैं . आत्मविश्वास के बल पर आप वास्तव में सराहनीय ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं. अस्थिरता आपकी विफलताओं का मुख्य कारण होती हैं . धैर्य और सब्र रखें

> " अधिकतर आप उदासीन और आत्मविश्लेषी रहते हैं

आप बहुत संवेदनशील हैं और गैर-भौतिक वास्तविकता और अनुभावों में गहरी रुचि रखते हैं. आप गुप्त ज्ञान को प्राप्त करने और सभी छिपे पहलुओं की खोज की ओर प्रवृत्त रहते हैं . आप मृत्यु के बाद जीवन से संबंधित मामलों में रुचि रखते हैं . आपका मन अधोलोक में डूबा रहता है . लोगों को आपका व्यवहार


www.teleAstro.in

बाध्यकारी या जुनूनी लग सकता है. आपका मन हमेशा कुछ गहरे की तलाश में रहता हैं . भावनाओं में तेजी से उतार चढ़ाव आते रहते हैं .सामाजिक और मानवीय गतिविधियों की ओर आपका रुझान है. आप खनन और तेल उद्योग में सफल हो सकते हैं . आप अनुसंधान और अन्वेषक कार्यों के लिए बहुत ही उपयुक्त हैं

आप को वैवाहिक संबंधों से और विरासत से लाभ प्राप्त होगा . वित्तीय मामलों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. मां से संबंध अच्छे नहीं रहेंगें . मां के साथ कुछ गहरे मतभेद हो सकते हैं. परिवार के सदस्यों तथा सहयोगियों के साथ मन मुटाव और झगड़ें होने की संभावना है . किसी के प्रति सशक्त भावनायें उस पर हावी होने की तीव्र इच्छा या जलन पैदा कर सकती हैं.नाग, सांप और अन्य प्रकार के रेंगने वाले जंतुओं से भय बना रहेगा . गैर कानूनी और अवैध कामों से दूर रहें . दूसरों के साथ छल न करें . बुजुर्गों का आशीर्वाद लें

| | |
|---|---|
| **चंद्र मंत्र** | **॥ ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः ॥** |



www.teleAstro.in

ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह हिम्मत और तानाशाही से सम्बंधित है। मंगल ग्रह को कार्य और विस्तार का ग्रह माना जाता है। मंगल, शक्ति, साहस, क्रोध, दुश्मन, हिंसा, छोटे भाई, बल, मांसपेशियों और वीरता से सम्बंधित है।

## आपकी कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**वृष** | अंश<br>**20:01:53** | नक्षत्र<br>**रोहिणी - 4** |
| स्वामी<br>**छठा ,पहला भाव** | भाव में<br>**सातवाँ भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / कुमार** |

मंगल आपकी कुंडली मे सम है

## आपके जन्मपत्रिका में मंगल सातवाँ भाव में एवं वृष राशि में स्थित है।

आप व्यवहार से रोमांटिक हैं और आप की इच्छा शक्ति मजबूत है . आप स्वतंत्र विचारक हैं और आप जो चाहते हैं उसके लिए अन्य लोगों को राजी में सफल भी हो जाते हैं . आप अपने सभी व्यवहार में चुनौती और प्रतिद्वन्दता का आनंद लेते हैं . बिक्री, प्रचार तथा मार्केटिंग के क्षेत्रों में आप ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं .रिश्तों से आप को ऊर्जा और उत्तेजना मिलती हैं . आप एक ऐसा सक्रिय जीवन साथी चाहते हैं जो दुनियादारी के व्यवहार में आपकी मदद कर सके, जो आप को चुनौती भरा प्रोत्साहन दे सके; और शायद आप के साथ प्रतिस्पर्धा भी करें . आप को अपने साथी के साथ वाद-विवाद करना बहुत पसंद होगा

> " आप को नम्रता और कूटनीति विकसित करनी चाहिए वर्ना आप कई लोगों को बेवजह नाराज़ और परेशान कर सकते हैं

आप के जीवनसाथी के बहुत ही सकारात्मक, सक्षम, साहसी और स्वतन्त्र विचारों वाला होने की संभावना है . संभव हैं की आपको पहली नजर में ही प्यार हो जाए और परिणाम स्वरूप आप अल्प आयु में ही विवाह कर लें . आपकी शादी जाति या समुदाय के बाहर हो सकती है. आपका वैवाहिक जीवन अस्थिर और समस्याग्रस्त रहेगा. आपका उतावलापन, असहिष्णुता और हिंसक मानसिकता ही इसके मुख्य कारण होंगें . आप बैंकिंग या शिक्षा के क्षेत्र, घर की सजावट,



www.teleAstro.in

इंजीनियरिंग, भवननिर्माण से संबंधित कार्यों में सफल हो सकते हैं . महिलाओं के साथ साझेदारी न करें

तेजी से वाहन न चलायें; वर्ना कुछ हड्डियों टूट सकती हैं .आप शुक्राणु दोष, हर्निया, मूत्राशय संबंधित संक्रामक रोगों से पीड़ित हो सकते हैं . पित्त वर्धक भोजन से बचें . पत्नी के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें . तर्क-वितर्क और बहसबाज़ी से बचने का प्रयास करें. नेत्रहीन लोगों के लिए दान करें

| | |
|---|---|
| **मंगल मंत्र** | **॥ ॐ हूं श्रीं भौमाय नमः ॥** |



www.teleAstro.in

बुध बुद्धि और शिक्षा का ग्रह है, यह भाषण और तर्क से सम्बंधित है और इस प्रकार व्यक्ति के संचार कौशल पर इसका प्रभाव पड़ता है। बुध स्मृति, भाषण, राजनीति, व्यापार और व्यापार, मित्रों, मामा, चाचा, भतीजे, दत्तक पुत्र और तर्क से सम्बंधित है।

## आपकी कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**कन्या** | अंश<br>**14:04:53** | नक्षत्र<br>**हस्त - 2** |
| स्वामी<br>**आठवाँ ,ग्यारहवाँ भाव** | भाव में<br>**ग्यारहवाँ भाव** | अस्त/अवस्था<br>**हाँ / युवा** |

बुध आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

## आपके जन्मपत्रिका में बुध ग्यारहवाँ भाव में एवं कन्या राशि में स्थित है।

आप कम बोलने में विश्वास रखते हैं . आप का हंसमुख और प्रसन्न चेहरा दूसरों को आकर्षित करता है . आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं . कभी कभी आप हठी बन जाते हैं . नयी और रोमांचक बातें और अनुभव आपको आकर्षित करते हैं . आप का मन सच्चा, विस्तृत, अनुकूलनीय और बौद्धिक है . आप निष्पक्ष और निस्स्वार्थ व्यक्ति हैं . आप एक सहज जिज्ञासु हैं . शैक्षिक जीवन में प्रतिभा और बुद्धिमत्ता होने के बावजूद आप पढ़ाई में ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते . आप को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन प्रिय है

> " आप बहुत मिलनसार हैं और आपका दिमाग काफी तेज हैं

आप अपने लक्ष्यों को अपनी मानस शक्ति के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं . आप अपने पसंदीदा समूह या संगठन के प्रवक्ता या सचिव हो सकते हैं . आप कई बार व्यवसाय बदल सकते हैं . आप में व्यापारिक कुशलता और व्यवहारिक निपुणता की कमी है . वित्तीय उपक्रमों में धन और सफलता प्राप्त होगी . नौकरी आप के लिए अधिक अनुकूल है . आप लेखन, शिक्षण, जीवन बीमा एजेंट, सलाहकार और पत्रकार से संबंधित कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं . आप


www.teleAstro.in

लोक सेवा में एक अच्छे प्रसाशकीय अधिकारी बन सकते हैं.आप अपने रिश्तों को और अपनी अंत:क्रिया को सार्थक बनाने की चेष्टा करते रहते हैं . आप अपने परिवेश में मौजूद हर चीज़ और हर व्यक्ति के बारे में उत्सुक रहते हैं

परिवार की सभी महिला रिश्तेदारों से आपको विशेष समर्थन प्राप्त होगा . अपितु बड़े भाई के सहारे का अभाव रहेगा . आप को समर्पित जीवन साथी और बुद्धिमान बच्चों का सौभाग्य प्राप्त होगा .आप को दंत समस्याओं, अल्सर, अस्थमा, थायराइड और पेट/पाचन से संबंधित रोगों का सामना करना पड़ सकता है . निपट मूर्खता के कारण संचित धन खोने की संभावना है . आपको जीवन में अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है .फिटकिरी के साथ अपने दांत साफ करें . घर पर हरे रंग का फर्नीचर न रखें . एक सफेद धागे या चांदी की चेन में तांबे का सिक्का पहनें . हरे रंग और पन्ना रत्न से दूर रहें

| बुध मंत्र | ॥ ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः ॥ |
| --- | --- |



www.teleAstro.in

बृहस्पति को मंत्रि ग्रह माना जाता है जो ज्ञान, खुशी और अच्छे भाग्य से संबंधित है। बृहस्पति धन, ज्ञान, गुरु, पति, पुत्र, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, दादा दादी और शाही सम्मान का कारक है। यह धार्मिक धारणा, भक्ति और लोगो के विश्वास को दर्शाता करता है।

## आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**कर्क** | अंश<br>**15:57:34** | नक्षत्र<br>**पुष्य - 4** |
| स्वामी<br>**दूसरा ,पाँचवा भाव** | भाव में<br>**नौवां भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / युवा** |

गुरु आपकी कुंडली मे लाभप्रद है

## आपके जन्मपत्रिका में गुरु नौवां भाव में एवं कर्क राशि में स्थित है।

आप आशावादी, सहनशील, उदार, विचारशील हैं . आप रूपवान हैं और आपके व्यक्तित्व में एक विशेष आकर्षण है . आप अपने विश्वासों में अत्यंत सिद्धांतवादी और हठधर्मी हो सकते हैं . आप असाधारण रूप से धर्मार्थ और दयालु हैं . आपका संक्रामक आशावाद आप को लोकप्रिय बनाता है.आप में गहरा अंतर्ज्ञान, अच्छी निर्णायक शक्ति और ज्वलंत महत्वाकांक्षायें हैं . आप को कानून, धर्म और दर्शन में रुचि हो सकती है. आप में दूसरों का मार्गदर्शन और प्रेरित करने की क्षमता है . आप के भीतर ज्ञान का एक सागर है जिसे आप हर किसी के साथ बांटना चाहते हैं

> " आप बुद्धिमान और साहसी हैं

आप वकील या न्यायाधीश, स्कूल या कॉलेज में शिक्षक या प्रोफेसर बनने के अनुकूल हैं. आप को विदेशी यात्राओ और विदेशियों के साथ लेन-देन करने से लाभ हो सकता है . जीवन के उत्तरार्द्ध में ही आपकी उपलब्धियों को पहचान प्राप्त होगी . आप को सभी प्रकार की सुख सुविधाओं, सद्गुणों, उच्च शिक्षा और धन का वैभव प्राप्त होगा . आप एक शानदार और राजसी जीवन जीएंगे . आप अपनी बुद्धि द्वारा काफी धन अर्जित करेंगे. आप को बहुत कम आयु में ही



www.teleAstro.in

सफलता प्राप्त होगी . आप को राज्य तथा अधिकारियों से समर्थन प्राप्त होगा

आप का पारिवारिक जीवन उत्तम होगा . दीर्घायु के साथ ही आपको अच्छी संतान का भी सौभाग्य प्राप्त है . आपके बच्चें अपने-अपने कार्य क्षेत्र में प्रसिद्ध होंगें . आप का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा . आप कभी कभी मौसमी फ्लू या सांस और दिल से संबंधित समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं.सोना पहनना आप के लिए शुभकारी है . मदिरापान, मांसाहारी भोजन और किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधियों से दूर रहें . किसी से भी कोई मुफ्त उपहार न लें

| | |
|---|---|
| **गुरु मंत्र** | **॥ ॐ ह्रीं क्लीं हूं बृहस्पतये नमः ॥** |



www.teleAstro.in

वीनस कामुक सुख और कामुक आवेगों से सम्बंधित है। चमक और जीवन शक्ति का ग्रह होने के नाते भौतिकवाद और मांस के आनंद को दर्शाता है। वीनस को यौन इच्छाओं (काम), कामेच्छा, पत्नी का महत्व का कारक माना जाता है। यह जुनून, विवाह, लक्जरी लेख, गहने, वाहन, आराम और सुंदरता से संबंधित है।

## आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| राशि | अंश | नक्षत्र |
|---|---|---|
| कन्या | 17:06:30 | हस्त - 3 |
| स्वामी | भाव में | अस्त/अवस्था |
| सातवाँ ,बारहवां भाव | ग्यारहवाँ भाव | हाँ / युवा |

शुक्र आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

## आपके जन्मपत्रिका में शुक्र ग्यारहवाँ भाव में एवं कन्या राशि में स्थित है।

आप मिलनसार, विनम्र और मित्रवत हैं. आप की उपस्तिथि लोगों को निश्चन्त कर देती हैं . आप हंसमुख स्वभाव के हैं और अपनी दिलचस्प बातचीत से हर किसी का दिल जीत लेते हैं . आप ऐसे विचारों और समूहों की ओर आकर्षित होते हैं जो कि स्वतंत्रता, स्वावलंबन और न्याय संगत हों . आप के विपरीत लिंग के कई दोस्त हो सकते हैं . आपके सहयोगियों और सहकर्मियों के साथ रिश्ते अक्सर दोस्ताना और सौहार्दपूर्ण होते हैं. आप सांस्कृतिक और सामूहिक गतिविधियों का आनंद लेना पसंद करते हैं

> " आप जहाँ जाते हैं वहां आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं

मित्रों के साथ सुकून भरे पल बिताने के लिए आप बेताब रहते हैं . आप के कई दोस्त होंगे जो आपकी काफी सहायता करते हैं . फिर भी सावधान रहें, इन दोस्तों की संगत में पड़ी आदतें आप और आपके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती हैं .आप जिस चीज़ को छूते हैं, वह सोना बन जाती है . जीवन के सभी सुख साधन और भोग विलास की वस्तुएं आपके लिए सुलभ होंगी . मजबूत वित्तीय स्तिथि के साथ साथ आप सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र की



www.teleAstro.in

अच्छी ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगें . आप को हमेशा अपने जीवन में आसानी से लाभ प्राप्त होगा - चाहे वह चल संपत्ति हो, जमीन जायदाद हो या फिर वाहन सुख आप एक शिक्षक, प्रकाशक, लेखक, बैंक कर्मचारी या किसी धार्मिक संस्था से जुड़े हो सकते हैं . आप वाहनों के कारोबार, शेयर बाजार, सौंदर्य प्रसाधन, ब्रांडेड डिजाइनर कपड़ों के व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं . आपका अच्छा और अनुकूल समय शादी के बाद शुरू होगा और आप को काफी धन लाभ भी होगा. आप किसी तरह की यौन समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं .शनिवार को तेल का दान करें . अपने आस पास के परिवेश में पीले रंग के फूलों के पौधें लगाएं

| | |
|---|---|
| **शुक्र मंत्र** | **॥ ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः ॥** |


www.teleAstro.in

शनि एक धीमी गति का ग्रह है। इसे न्याय, तर्क और विनाशकारी शक्तियों का ग्रह कहा जाता है। यह आपदाओं और मृत्यु से संबंधित है। शनि को एक शिक्षक के रूप में भी माना जाता है। शनि लंबी उम्र से सम्बंधित है। यह देरी, अवरोध, दु: ख, नुकसान, चोरी, बुढ़ापे, दु: ख, प्रतिकूलता और आजादी सेसम्बंधित है।

## आपकी कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**धनु** | अंश<br>**25:12:38** | नक्षत्र<br>**पूर्व षाढ़ा - 4** |
| स्वामी<br>**तिसरा ,चौथा भाव** | भाव में<br>**दूसरा भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / मृत** |

शनि आपकी कुंडली मे सम है

## आपके जन्मपत्रिका में शनि दूसरा भाव में एवं धनु राशि में स्थित है।

आप बहुत आत्म विश्वासी हैं . कोई भी आपके फैसले को बदल नहीं सकता है . पैसा, भौतिक संपत्ति और वित्त के मुद्दों के आसपास ही आपका जीवन घूमता है . आप पैसे के मामलों को बहुत गंभीरता से लेते हैं . आपके लिए धन आत्मसम्मान की पहचान है . आप संपत्ति के मामलों में काफी मितव्ययी, व्यावहारिक और जिम्मेदार हैं . आप निश्चित ही बहुत पैसा कमायेंगें लेकिन इसके लिए आप को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी . कभी-कभी आप जायदाद जमा करने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि जीवन का आनंद लेना ही भूल जाते हैं . आपमें आर्थिक रूप से सफल होने की प्रबल कर्मशक्ति है

> " आप को ऐसे लोगों से नफरत है जो आपके काम में हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं

वित्तीय स्तिथि में स्थिरता रहेगी . शादी के बाद पारिवारिक संपत्ति या संयुक्त परिसंपत्तियों का लाभ होगा. ३४ वर्ष की आयु के बाद धन और सफलता प्राप्त होंगीं .आपको कम उम्र में ही परिवार से अलग होना पडेगा . मां के साथ रिश्ते सीमित रहेंगें. आप अपने आप को सख्त और प्रतिबंधित परिवार के वातावरण में फंसा हुआ महसूस कर सकते हैं . आपकी आयु लंबी हैं .तंत्र-मंत्र, ज्योतिष, गुप्त बातों में विशेष रूचि रहेगी . आप एक ऑलराउंडर हैं



www.teleAstro.in

आप विदेशी भाषा, विज्ञान, तकनीक, कृषि, गहनों या तेल व्यापार, आदि से संबंधित काम कर सकते हैं . आपको सरकार के माध्यम से काफी समर्थन और लाभ प्राप्त होगा .भौतिक वस्तुओं की चिंता को लेकर आप खिन्न और उदास हो जाते हैं . आपके मन में हीन भावना घर कर सकती है . आप पान, तंबाकू और गुटखा खाने के आदि हो सकते हैं. आप को पैर और गर्दन में दर्द, गले में खराश, कब्ज और गैस की समस्या, कंठ में सूजन, त्वचा की समस्या हो सकती है . अपने पास चांदी का एक चौकोर टुकड़ा रखें . अपने माथे पर केसर का तिलक लगाएं. तैंतालीस दिनों तक किसी धार्मिक स्थान तक नंगे पैर पैदल जाने से लाभ होगा

| | |
|---|---|
| **शनि मंत्र** | **॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः ॥** |


www.teleAstro.in

अजीब और अपरंपरागत ग्रह होने के कारण राहु भौतिकवाद से सम्बंधित है और कठोर वाणी, कमी और इच्छा से सम्बंधित है। राहु को ट्रान्सेंडेंटलिज्म का ग्रह कहा जाता है। यह विदेशी भूमि और विदेशी यात्रा से सम्बंधित है।

## आपकी कुंडली में राहु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**मकर** | अंश<br>**09:47:12** | नक्षत्र<br>**उत्तर षाढ़ा - 4** |
| स्वामी<br>**ग्यारहवाँ भाव** | भाव में<br>**तिसरा भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / वृद्ध** |

## आपके जन्मपत्रिका में राहु तिसरा भाव में एवं मकर राशि में स्थित है।

आप सिंह के समान बहादुर और साहसी हैं . आप शिक्षित, प्रसिद्ध, धनवान हैं और बड़े प्रतिष्ठित लोगों से जुड़े हुए हैं . आप एक सुखद और संतुष्ट जीवन जीयेंगें . आप के अपने आसपास के लोगों के साथ अच्छे संबंध होंगें . आप प्रकृति से बहुत अधिक आत्मविश्वासी और निडर हैं. आप का मन सावधान, उत्साही और कल्पनाशील है; जिसमें से बहुतायत में विचार प्रवाह रहता होता है . आप को स्वयं के प्रयासों के माध्यम से सफलता मिलेगी . कभी कभी अपनी गहरी भावनाओं को व्यक्त करना आप के लिए मुश्किल हो जाता है . आप प्रबंधन में कुशल हैं . आप दूसरों से काम लेने की क्षमता रखते हैं

> " आप अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगें

व्यावसायिक तौर पर आप बहुत सफल होंगें . आप अपने साथियों और सहयोगियों पर सशक्त प्रभाव डालते हैं . आप अभिव्यक्तिशील कार्यों और भूमिकाओं में लिए सबसे अधिक उपयुक्त हैं . आप अभिनय और अन्य कलात्मक गतिविधियों में भी संलग्न हो सकते हैं . आप ट्रैवल एजेंसी, वाहनों के कारोबार, संगीत वाद्ययंत्र, प्रकाशन, आदि के व्यवसाय द्वारा अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं . आप बौद्धिक गतिविधियों में, विशेष रूप से साहित्य, कला, इतिहास या भूगोल में, सफलता हासिल करेंगें .२७ वर्ष की आयु से पहले शादी न करें, अन्यथा आप का विवाहित जीवन सुखी नहीं होगा . संतान उत्पत्ति में परेशानी हो सकती है . संभव है कि आप अपनी पत्नी के साथ कभी संतुष्ट नहीं हो पायेंगें

आपको परिवार का समर्थन कम ही मिलेगा . आप और आपके भाई-बहनों के बीच असहमति हो सकती है .आप एक लंबे समय तक एक ही स्थान पर नहीं रह सकते; आप अवश्य विदेश यात्रा करेंगे . आप को भ्रमण करने की लालसा है; आप नित नए क्षितिज खोजते रहते हैं .आप खाँसी और रक्त शर्करा के विकारों से



www.teleAstro.in

परेशान हो सकते हैं . आपको दमा, टी बी, कान की समस्याएं भी हो सकती हैं . हर रोज त्रिफला का चूर्ण या बटी लें .घर में हाथी दांत या हाथीदन्त से बनी चीजें कभी न रखें . चांदी पहनें

| | |
|---|---|
| राहु मंत्र | ॥ ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः ॥ |



www.teleAstro.in

केतु मोक्ष, पागलपन का ग्रह है। यह आध्यात्मिकता से सम्बंधित है। केतु रहस्यमय, भ्रामक, गुप्त और पेचीदा ग्रह है। केतु दर्द, रहस्य, गुप्त विज्ञान, उदासीनता, दर्शन, अलगाव और कारावास का प्रतीक है।

## आपकी कुंडली में केतु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

| | | |
|---|---|---|
| राशि<br>**कर्क** | अंश<br>**09:47:12** | नक्षत्र<br>**पुष्य - 2** |
| स्वामी<br>**पाँचवा भाव** | भाव में<br>**नौवां भाव** | अस्त/अवस्था<br>**नहीं / वृद्ध** |

## आपके जन्मपत्रिका में केतु नौवां भाव में एवं कर्क राशि में स्थित है।

आप एक मधुर प्रकृत्ति वाले बहुत ही आकर्षक व्यक्ति हैं . आप स्वभाव से बहुत ही सैद्धांतिक और आशावादी हैं . आप सुशिक्षित और विद्वान हैं . आप की दूरदर्शिता विलक्षण है; जीवन की समस्याओं के प्रति आपका अभिनव दृष्टिकोण है . आप जीवन में केवल कड़ी मेहनत के आधार पर ही सफलता पायेंगें . कभी कभी आप चिड़चिड़े और अभिमानी हो जाते हैं . आप गुस्सैल हो सकते हैं, और छोटी छोटी बातों पर परेशान हो जाते हैं . आप ठाट-बाट और तड़क-भड़क के शौकीन हो सकते हैं . आप अभिमानी और हठी हो सकते हैं

> " आप आत्म विश्वासी हैं; इसलिए भविष्य के बारे में चिंता नहीं करतें

आप अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा विदेश में व्यतीत करेंगें . कैरियर के संबंध में आप विदेश जा सकते हैं . आप एक आकर्षक उपदेशक या सलाहकार बन सकते हैं . आप विशेष रूप से कला और लेखन के क्षेत्र में और सामाजिक सेवाओं में चमकेंगें . आप दूरसंचार या मीडिया प्रसारण, योजनाकार, विस्तार आयोजक, प्रशिक्षक, अनुवादक, आदि व्यवसायों में बहुत अच्छा काम कर सकते हैं .आप अपने माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं . आप का परिवार रूढ़िवादी विचारों वाला होगा; आप अपने परिवार के विश्वास और आस्था के खिलाफ विद्रोह हो सकते हैं . आप के अपने पिता के साथ मतभेद हो सकते हैं और आप उनसे दूर रहना पसंद करते हैं . वैवाहिक जीवन संतोषजनक होगा

आप का अंतरजातीय विवाह हो सकता है . आपकी पत्नी एक बहुत अच्छी गृहिणी होंगीं . आपकी संतान होनहार होगी और आप के लिए नई पहचान बनाएगी .आपके पिता का स्वास्थ्य ख़राब रह सकता है . आप पीठ दर्द, मूत्राशय और पैर सम्बंधित समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं . आप शराब के आदी हो सकते हैं


www.teleAstro.in

.घर में कहीं सोने का एक आयताकार टुकड़ा स्थापित करें . पिता, दादा के साथ रहें व उनकी सेवा करें . हमेशा अपने ससुर का सम्मान करें

| | |
|---|---|
| **केतु मंत्र** | **॥ ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः॥** |



www.teleAstro.in

**Teleastro** aapka private jyotishi
Website : teleAstro.in
Email : astrology@teleastro.in
Mobile : 9911568277

# # FREE consultancy फ्री सलाह

Acharya ji se baat kariye, FREE CALL book karwane ke liye..
Missed **CALL** kariye 080-45497005
**WhatsApp** kariye 8510813111
**E-mail** kariye astrology@teleAstro.in

सब अच्छा ही होगा!
**Teleastro टेलीएस्ट्रो**
**आपका Private ज्योतिषी**

teleASTRO आपका PRIVATE ज्योतिषी™
**http://www.teleastro.in**
**+91 99 11 568 277**
**astrology@teleAstro.in**